RNI No. DLHIN/25/A2321

DD

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वर्षः 01, अंकः 08, पृष्ठः 08

infodivyadelhi@gmail.com

सोमवार, 15 सितम्बर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi

तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री | सूर्योदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

मैं शिव भक्त, सारा जहर निगल जाता हूं: पीएम मोदी

राजेश चौहान
दरांग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस नेतृत्व और नेहरू पर निशाना साधते हुए कहा कि भूपेन हजारिका का अपमान और 1962 के असम के घाव आज तक हरे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि मोदी नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। प्रधानमंत्री ने असम के दरांग जिले के मंगलदोई में स्वास्थ्य एवं अवसंरचना क्षेत्र से जुड़ी 6,300 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा हमला बोला। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने भारत रत्न से सम्मानित असम के गौरव भूपेन हजारिका का अपमान किया और पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान की गई टिप्पणी से असम के लोगों के घाव आज भी नहीं भरे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्लजब भारत सरकार ने असम के महान सपूत और संगीत जगत के पुरोधा भूपेन दा हजारिका जी को भारत रत्न से सम्मानित किया तो कांग्रेस पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष ने बयान दिया कि मोदी नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। यह बयान केवल मेरा ही नहीं बल्कि असम की धरती और भारत की संस्कृति का भी गहरा अपमान है।

'घुसपैठियों और राष्ट्रविरोधी ताकतों की संरक्षक है कांग्रेस',

मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत विस्वा सरमा ने उन्हें यह बयान कल बताया और आज सुबह वीडियो दिखाया। प्रधानमंत्री ने कहा, यह देखकर मुझे गहरी चोट पहुंची। उन्होंने कहा, 1962 में जब भारत-चीन युद्ध हुआ था, तब पंडित जवाहरलाल नेहरू ने चीन के हमले के दौरान जो टिप्पणी की थी, उसके घाव आज भी असम और पूर्वोत्तर के लोगों के दिलों में हरे हैं। कांग्रेस की वर्तमान पीढ़ी भी इन्हीं घावों पर नमक छिड़कने का काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं भगवान शिव का भक्त हूं। चाहे मुझे कितनी भी गालियां क्यों न दी जाएं, मैं सारा जहर निकाल देता हूं लेकिन जब किसी और का अपमान होता है तो मैं उसे बर्दाश्त नहीं कर सकता।

मेरी आत्मा की आवाज जनता जनार्दन ही है: पीएम मोदी

पीएम ने कहा कि मेरा केवल एक ही रिमोट कंट्रोल है और वह हैं देश के 140 करोड़ नागरिक। मेरी आत्मा की आवाज जनता जनार्दन ही है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर असम को स्वास्थ्य और परिवहन क्षेत्र से जुड़ी बड़ी परियोजनाओं की सौगात दी। इसमें दरांग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जीएनएम स्कूल, बी.एससी. नर्सिंग कॉलेज, गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना और कुरुवा-नारेंगी पुल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार असम को स्वास्थ्य हब के रूप में विकसित करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य कर रही है। मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद असम का यह मेरा पहला दौरा है। मां कामाख्या के आशीर्वाद से ऑपरेशन सिंदूर को सफलता मिली। जन्माष्टमी के पावन पर्व पर यहां आकर मुझे दोगुना सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यह धरती संस्कृति, इतिहास और भविष्य की आशाओं का संगम है। उन्होंने हाल ही में मनाए गए भारत रत्न भूपेन हजारिका के जन्मदिवस को याद करते हुए कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार असम के महान पूर्वजों के सपनों को पूरा करने में लगातार जुटी हुई है।

अमृतसर मंदिर हमले में हथियार मुहैया कराने वाले पकड़े गए

नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अमृतसर मंदिर ग्रेनेड हमले के मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। मोहाली (पंजाब) स्थित विशेष एनआईए अदालत में दायर अपने आरोपपत्र में, एनआईए ने विशाल गिल, भगवंत सिंह उर्फ मन्ना भट्टी और दीवान सिंह उर्फ सनी पर अमृतसर के छेहरटा स्थित ठाकुरद्वारा सनातन मंदिर पर हुए हमले की साजिश रचने व उसे अंजाम देने में उनकी भूमिका के लिए आरोप लगाया है। विशाल गिल उन दो बाइक सवार हमलावरों में से एक था, जिन्होंने 15 मार्च 2025 की तड़के ग्रेनेड फेंका था।

'गुलामी के दौर में भी भाषाएं प्रतिरोध की आवाज बनीं'

आजादी के आंदोलन के राष्ट्रव्यापी बनने में हमारी भाषाओं की बड़ी भूमिका रही

भारतीय भाषाओं के पुनर्जागरण का एक स्वर्णिम कालखंड चल रहा

नई दिल्ली

हिन्दी दिवस पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं और संस्कृति के पुनर्जागरण का एक स्वर्णिम कालखंड चल रहा है। हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाएं तकनीक, विज्ञान, न्याय, शिक्षा और प्रशासन की धुरी बनें। मिलकर चलो, मिलकर सोचो, मिलकर

बोलो, यही हमारी भाषाई सांस्कृतिक चेतना का मूल मंत्र रहा है। डिजिटल इंडिया, ई-गवर्नेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के इस युग में मोदी सरकार भारतीय भाषाओं को भविष्य के लिए सक्षम बना रही है। शाह ने अपने संदेश में कहा, गुलामी के कठिन दौर में भी भारतीय भाषाएं प्रतिरोध की आवाज बनीं। आजादी के आंदोलन के राष्ट्रव्यापी बनने में हमारी भाषाओं की बड़ी भूमिका रही। हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने जनपदों की भाषाओं में, ग्राम-देहात की भाषाओं को आजादी के आंदोलन से जोड़ा। हिंदी के साथ ही सभी भारतीय भाषाओं के कवियों, साहित्यकारों और नाट्यकारों ने लोकभाषाओं में, लोककथाओं में, लोकगीतों और लोकनाटकों के माध्यम से हर आयु, वर्ग और समाज के भीतर स्वाधीनता के संकल्प को प्रबल बनाया। वन्दे मातरम् और जय हिंद जैसे नारे हमारी भाषाई चेतना से ही उपजे और स्वतंत्र भारत के स्वाभिमान के प्रतीक बने।

सीतारमण ने जीएसटी के सकारात्मक प्रभावों पर दिया जोर

जीएसटी का लाभ देश के हर नागरिक को रोजमर्रा की हर चीज में मिलेगा

चेन्नई

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लेकर इन दिनों देशभर में चर्चा तेज है। इसी बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी के ताजा सुधारों और उसके सकारात्मक प्रभावों पर विस्तार से बात की। साथ ही उन्होंने इससे होने वाले फायदे पर भी जोर दिया। चेन्नई में रविवार को उभरते भारत के लिए कर

सुधार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का लाभ देश के हर नागरिक को रोजमर्रा की हर चीज में मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसका असर लोगों को सुबह की चाय से लेकर रात के खाने और सोने तक देखने को मिलेगा।

'जीएसटी के दायरे में एक करोड़ से ज्यादा व्यवसाय'

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगे कहा कि जीएसटी लागू होने से पहले देश में केवल 66 लाख व्यवसाय ही टैक्स प्रणाली में शामिल थे। लेकिन पिछले आठ वर्षों में यह संख्या बढ़कर 1.5 करोड़ हो गई है।

जीएसटी सुधारों के कारण इनपुट लागत होगी कम

यह सरकार की पारदर्शी और सरल टैक्स नीति का नतीजा है। जीएसटी सुधारों के तहत वस्तुओं और सेवाओं के वर्गीकरण को सरल बनाया गया है। सीतारमणन ने इस बात पर भी जोर दिया कि पिछले आठ महीनों में सरकार ने इस पर विशेष अध्ययन कर यह सुनिश्चित किया कि टैक्स श्रेणियों को लेकर किसी प्रकार की उलझन न रहे। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि हमने पिछले आठ महीनों में यह सुनिश्चित किया है कि टैक्स की श्रेणियां स्पष्ट और सरल हों, जिससे व्यापारियों और कारोबारियों को कोई भ्रम न फैले।

शीतकालीन सत्र में पेश हो सकता है बीमा संशोधन विधेयक: निर्मला

बढ़ी हुई सीमा उनको उपलब्ध होगी जो प्रीमियम भारत में निवेश करती हैं

नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा है कि बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने वाला बीमा संशोधन विधेयक संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। जब उनसे पूछा गया कि क्या बीमा क्षेत्र में एफडीआई को और उदार बनाने वाला विधेयक आगामी शीतकालीन सत्र में संसद में पेश किया जा सकता है? इस पर उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है। वित्त मंत्री ने इस साल के बजट भाषण में, नई पीढ़ी के वित्तीय क्षेत्र सुधारों के तहत बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा को मौजूदा के 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा, यह बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए उपलब्ध होगी जो अपना पूरा प्रीमियम भारत में निवेश करती हैं। विदेशी निवेश से जुड़ी मौजूदा सुरक्षा और शर्तों की समीक्षा की जाएगी और उन्हें सरल बनाया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने बीमा अधिनियम, 1938 के विभिन्न प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, जिसमें बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ाकर 100 प्रतिशत करना, चुकता पूंजी में कमी और एक समग्र लाइसेंस का प्रावधान शामिल है। एक व्यापक विधायी प्रक्रिया के तहत, जीवन बीमा निगम अधिनियम-1956 और बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम-1999 में बीमा अधिनियम-1938 के साथ-साथ संशोधन किया जाएगा।

मेहसाणा में उर्वरक संयंत्र में लगी आग, दो श्रमिकों की मौत

मेहसाणा

गुजरात के मेहसाणा जिले में रविवार तड़के एक उर्वरक संयंत्र में आग लगने से दो श्रमिकों की जलकर मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मेहसाणा ग्रामीण पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि समित्रा गांव के पास स्थित इस संयंत्र में सुबह करीब 3 बजे आग लग गई। उन्होंने बताया कि इस भीषण आग संयंत्र में रात्रि पाली में काम कर रहे दो लोगों की जलकर मौत हो गई। दो अन्य घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि आग लगने का सही कारण अभी स्पष्ट नहीं है। मेहसाणा अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद दमकल कर्मियों की एक टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने में उन्हें करीब एक घंटे का समय लगा।

आग पर काबू पाने के बाद दो श्रमिकों के जले हुए शव बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि घटना के समय संयंत्र में छह श्रमिक मौजूद थे।

हम सभी भाषाओं के प्रति श्रद्धावान: सीएम ममता बनर्जी

कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हिंदी दिवस पर सभी को शुभकामनाएं दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने राज्य सरकार की तरफ से हिंदी समेत तमाम भाषाओं को लेकर किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया है। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा- आज हिंदी दिवस है। इस अवसर पर सभी हिंदी भाषी भाई-बहनों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। प्रत्येक वर्ष हम श्रद्धा के साथ हिंदी दिवस मनाते हैं। हम सभी भाषाओं के प्रति श्रद्धावान हैं।

सीएम ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

उन्होंने राज्य में हिंदी भाषी लोगों के कल्याण के लिए अपनी सरकार द्वारा की गई कई पहलों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें उन क्षेत्रों में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता देना भी शामिल है जहां 10 प्रतिशत आबादी हिंदी भाषा बोलती है।

ऑपरेशन सिंदूर अब बेकार लगता है: पहलगाम पीड़ित

नई दिल्ली

भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप का मैच आज रात खेला जाएगा। हालांकि इस मैच को लेकर पहलगाम हमले के पीड़ित परिवारों में गुस्सा और नाराजगी है। पहलगाम हमले के एक पीड़ित परिवार के सदस्यों ने भारत और पाकिस्तान के बीच आगामी क्रिकेट मैच को लेकर सरकार की आलोचना की और कहा कि जब से उन्हें यह खबर मिली तो परिवार बहुत परेशान हुआ। पहलगाम हमले में अपने पिता और भाई को खोने वाले सावन परमार ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अब बेकार लगता है।

'ऑपरेशन सिंदूर अब बेकार लगता है'

सावन ने कहा कि 'जब हमें पता चला कि भारत बनाम पाकिस्तान मैच आयोजित किया जा रहा है, तो हम बहुत परेशान हो गए। पाकिस्तान से किसी भी तरह का संबंध नहीं रहना चाहिए। अगर आप मैच खेलना चाहते हैं, तो मेरे 16 साल के भाई को वापस लाएं, जिसे कई गोलियां मारी गईं। ऑपरेशन सिंदूर अब बेकार लगता है।'

'हमारे जख्म अभी भरे नहीं हैं'

किरन ने कहा कि 'यह मैच नहीं होना चाहिए। मैं प्रधानमंत्री मोदी से पूछना चाहती हूं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, तो फिर भारत बनाम पाकिस्तान मैच क्यों हो रहा है? मैं देश के सभी लोगों से कहना चाहती हूं कि वे पहलगाम आतंकी हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों से मिलें और देखें कि वे कितने दुखी हैं।

जंग खत्म होने के बाद जनता की नजरों से बचने के लिए खुद को फील्ड मार्शल के पद पर प्रमोट कर लिया

ऑपरेशन सिंदूर के वक्त आसिम मुनीर बंकर में छिपे थे': पूर्व लेफ्टिनेंट

पाक का एयर डिफेंस इतना कमजोर था कि हमारी एक भी मिसाइल को रोक नहीं सका

नई दिल्ली

भारतीय सेना से रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों ने शनिवार को बताया, ऑपरेशन सिंदूर के वक्त पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर एक बंकर में छिप गए थे। जंग खत्म होने के बाद जनता की नजरों से बचने के लिए खुद को फील्ड मार्शल के पद पर प्रमोट कर लिया। ढिल्लों ने आगे

कहा कि भारत ने 10 मई को 11 पाकिस्तानी एयरबेस पर सटीकता से हमला किया। पाकिस्तान का एयर डिफेंस इतना कमजोर था कि हमारी एक भी मिसाइल को रोक नहीं सका 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ढांचे तबाह किए थे। साथ ही पाकिस्तान के एयरबेस को भी नुकसान पहुंचाया था। 10 मई को दोनों देशों के बीच युद्ध खत्म हुआ था। ढिल्लों बोले- पाकिस्तान ने युद्धविराम की भीख मांगी केजेएस ढिल्लों ने कहा कि जब पाकिस्तान के डीजीएमओ 10 मई को दोपहर 3:35 बजे हमारे डीजीएमओ को फोन करते हैं और युद्धविराम की भीख मांगते हैं, तो हमारे लिए यह जीत है। जब वे मध्यस्थता और युद्धविराम की मांग करते हुए अमेरिका या सऊदी अरब भागते हैं, तो यह जीत है। जब हम कहते हैं कि हम नीतिगत तौर पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं चाहते, तो यह जीत ही है।

एनिमल लवर्स गाय को जानवर नहीं मानते: पीएम मोदी

पिछले दिनों कुछ एनिमल लवर्स से मिला, हमारे देश में ऐसे बहुत एनिमल लवर्स हैं और विशेषता है कि वे गाय को एनिमल नहीं मानते

नई दिल्ली
देश भर में आवारा कुत्तों पर विवाद के बीच पीएम मोदी ने एनिमल लवर्स पर चुटकी ली। उन्होंने 12 सितंबर को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मैं पिछले दिनों कुछ एनिमल लवर्स से मिला। हमारे देश में ऐसे बहुत एनिमल लवर्स हैं और विशेषता है कि वे गाय को एनिमल नहीं मानते। पीएम की बातों पर कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और हॉल में बैठे लोग ठहाके लगाकर हंसने लगे। प्रधानमंत्री भी मुस्कुराने लगे और लोगों से उन्होंने पूछा- क्यों, आपको हंसी आ गई? पूरे वाकिये का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक आदेश में दिल्ली-एनसीआर के आवासीय इलाकों से सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में हटाकर हमेशा के लिए शेल्टर होम में भेजने का आदेश दिया था। इस आदेश का देश भर में डॉग लवर्स ने सड़कों से लेकर सोशल मीडिया तक विरोध किया था। 22 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने अपना आदेश पलट दिया। कोर्ट ने फैसले में संशोधन करते हुए आक्रामक या पागल कुत्तों को छोड़कर, सभी आवारा कुत्तों को नसबंदी और टीका लगाने के बाद वापस वहीं छोड़ने का आदेश दिया, जहां से उन्हें पकड़ा गया था।

पीएम मोदी ने गायों के लिए किए कई काम

2014 से सत्ता में आने के बाद मोदी सरकार ने गायों की सुरक्षा के लिए कई काम किए हैं। 2019 में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग बनाया गया। यह आयोग गायों के संरक्षण और विकास के लिए काम करता है।

आवारा कुत्तों पर क्या था सुप्रीम कोर्ट का आदेश?
सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि कुत्ते काटने और रेबीज के मामले बढ़ रहे हैं। इस आदेश का एनिमल एक्टिविस्ट ने विरोध किया। बाद में, सुप्रीम कोर्ट ने अपना आदेश बदल दिया। कोर्ट ने कहा कि कुत्तों को स्टेरलाइज किया जाए, टीका लगाया जाए और वापस वहीं छोड़ दिया जाए। रेबीज या आक्रामक होने पर ऐसा नहीं किया जाएगा।

पीएम आवास में गाय पालते हैं प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री मोदी खुद एक गौ प्रेमी हैं। वे दिल्ली के 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास में भी गाय पालते हैं। उन्होंने कई बार अपने आवास पर गायों के साथ समय बिताते पलों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। पीएम मोदी ने जनवरी 2024 में, मकर संक्रांति पर पुंगनूर (गाय का ब्रीड) गायों को चारा खिलाते हुए अपना एक वीडियो साझा किया था। पुंगनूर छोटी कद की, बैलों की तरह दिखने वाली गायों की एक भारतीय नस्ल है।

इनकी ऊंचाई औसतन 3 से 5 फीट और वजन 115 से 200˝ तक होता है। 14 सितंबर, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने पर बताया था कि उनके आवास पर एक गाय ने एक बछिया को जन्म दिया है, जिसके माथे पर 'प्रकाश का प्रतीक' है। पीएम ने बछड़े का नाम दीपज्योति रखा था, जिसका मतलब है 'दीपक की रोशनी'।

मोदी सरकार ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद गौ संरक्षण के लिए कई पहल शुरू की हैं। उन्होंने 2019 में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग की स्थापना की थी। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाले फ्ङअकी स्थापना गायों और उनकी संतानों के संरक्षण, सुरक्षा और विकास के लिए की गई थी।

हिमाचल में व्यापक वर्षा, चंबा में नेशनल हाइवे धंसा

शिमला
हिमाचल प्रदेश में मॉनसून की कहर भरी बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। रविवार बीती रात से सुबह तक राज्य के कुछ स्थानों में जोरदार वर्षा दर्ज की गई। कांगड़ा जिले के धर्मशाला में सर्वाधिक 232 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई। पालमपुर में 126 मिलीमीटर, मंडी जिले के मुरारी देवी क्षेत्र में 79 मिलीमीटर और सुंदरनगर व जोगिंदरनगर में 77 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई। राजधानी शिमला में भी रात को झमाझम बारिश हुई और सुबह से बादलों का डेरा बना हुआ है। लगातार हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं। मौसम विभाग ने आज रविवार को भी सात जिलों हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में भारी वर्षा को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने चेताया है कि इन जिलों में तेज बारिश के साथ अंधड़ और बिजली गिरने की संभावना है। हालांकि 15 से 20 सितम्बर तक मॉनसून की रफ्तार धीमी पड़ने और राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान जताया गया है। भारी बारिश और भूस्खलन ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सिरमौर जिले में हरिपुरधार-सोलन मार्ग भारी भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गया है। वहीं चंबा जिले के डलहौजी थाना क्षेत्र के अंतर्गत वैली नामक स्थान पर पठानकोट-चंबा नेशनल हाइवे का एक हिस्सा धंस गया। इस दौरान एक ट्रक और दो बाइक नीचे जा गिरी, हालांकि गनीमत यह रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ।

उत्तराखंड के चार जिलों में आज बारिश का यलो अलर्ट

देहरादून
उत्तराखंड में मौसम विभाग ने आज राज्य के देहरादून, पौड़ी, बागेश्वर व नैनीताल जिले में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। शेष ज़िलों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने व तीव्र बारिश की संभावना है। उत्तराखंड में शनिवार रात से बारिश जारी है। बारिश के चलते टिहरी जिले में चम्बा-ऋषिकेश मार्ग बगडधार के पास मार्ग, नरेंद्रनगर-रानीपोखरी मार्ग व यमुनापुल के पास अवरुद्ध है। गंगोत्री व यमुनोत्री हाईवे भी मलबा आने से बंद है। बागेश्वर जिले में बारिश से 6 ग्रामीण मोटर मार्ग बंद है। मौसम की चेतावनी को देखते हुए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जिलों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने की कृषि विभाग की समीक्षा

भोपाल
कृषि आधारित उद्योगों के प्रचार-प्रसार के लिए कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा आपसी तालमेल से बहुउद्देशीय कृषि मेले आयोजित किए जाएं। इन मेलों में किसानों को उनकी फसल सहित अन्य सहायक उत्पादों के लाभयुक्त विक्रय एवं मार्केटिंग की जानकारियां भी दी जाएं। धार जिले के भैंसोला गांव में निर्मित हो रहे पीएम मित्रा पार्क से प्रदेश के कपास और रेशम उत्पादक किसानों की जीवन रेखा बदल जाएगी। ये बातें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहीं। वे मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की गतिविधियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्?होंने कहा, पीएम मित्रा पार्क से प्रदेश के छह लाख से अधिक कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलने के साथ एक लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं दो लाख लोगों को अप्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पीएम मित्रा पार्क में निवेश करने के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियों ने रुचि व्यक्त की है। जिस तेजी से पीएम मित्रा पार्क में निवेश के लिए कंपनियां आ रही हैं, यह हमें और बेहतर करने के लिए उत्साहित करता है। डॉ. यादव ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क बनने से मालवा क्षेत्र के किसानों द्वारा उत्पादित कपास की खपत लोकल लेवल पर ही हो जाएगी। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा और रॉ-मैटेरियल सप्लाई की एक पूरी चैन तैयार होगी।

सरकार ने नए नियमों के तहत अप्रेंटिसशिप स्टायपेंड बढ़ाया, अब मिलेंगे 10 हजार से ज्यादा

नई दिल्ली
अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने अप्रेंटिसशिप स्टायपेंड 6,800 रुपये से बढ़कर 12,300 रुपये प्रति माह कर दिया है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने प्रशिक्षुता नियम, 1992 में महत्वपूर्ण बदलावों को अधिसूचित किया है।
इन बदलावों से डिग्री अप्रेंटिसशिप को बढ़ावा देने, दूरस्थ या वर्चुअल अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण, क्षेत्रीय बोर्डों का विस्तार, उद्योगों का व्यापक कवरेज और मानक विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए समावेशिता सुनिश्चित करने जैसे सुधार भी सामने आएंगे। यह अधिसूचना

कौशल विकास मंत्री जयंत चौधरी की अध्यक्षता में हुई 38वीं केंद्रीय अप्रेंटिसशिप परिषद की बैठक के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें युवाओं और नियोक्ताओं को अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण के लिए प्रोत्साहित करने हेतु नियमों में बदलावों को मंजूरी दी गई थी।

नक्सलियों के चंगुल से मुक्त करेगुट्टा पहाड़ी पर बनेगा जंगल वारफेयर कॉलेज

नई दिल्ली/बीजापुर
छत्तीसगढ़ के बीजापुर ज़िले की करेगुट्टा पहाड़ी, जो कभी नक्सलियों का सबसे सुरक्षित गढ़ मानी जाती थी, इसी पहाड़ी पर जल्द ही देश का दूसरा जंगल वारफेयर कॉलेज स्थापित किया जाएगा। इस कॉलेज में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (उफ्ढत्रः), छत्तीसगढ़ पुलिस, उफ्ऋ कोबरा और अन्य सशस्त्र बलों को विशेष प्रशिक्षण मिलेगा। इसका निर्माण केंद्र सरकार करेगी, जबकि एप्रोच रोड और अन्य बुनियादी सुविधाएं राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी। प्रदेश में इससे पहले साल 2004 में कांकेर में काउंटर टेररिज्म एंड

जंगल वारफेयर कॉलेज खोला गया था। करेगुट्टा पहाड़ी पर बनने वाला यह नया केंद्र नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई को और मजबूत करेगा। यह वही इलाका है जिसे इसी वर्ष सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के कब्जे से मुक्त कराया है। 21 अप्रैल 2025 को शुरू हुए ऑपरेशन के दौरान 21 दिन तक चली कार्रवाई में 31 नक्सली ढेर हुए। सूत्रों के अनुसार सुरक्षाबलों ने 214 बंकरों को ध्वस्त कर दिया और माओवादियों की करीब चार तकनीकी इकाइयों को भी नष्ट कर दिया। यह अभियान अब तक की सबसे बड़ी सफलताओं में गिना जा रहा है। करेगुट्टा पहाड़ी रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। लगभग 900 मीटर ऊंची इस दुर्गम पहाड़ी में सैकड़ों गुफाएं हैं, जिन्हें नक्सली लंबे समय से अपने कैंप और हथियार बनाने की इकाइयों के लिए इस्तेमाल कर रहे थे। यही कारण है कि इसे नक्सलियों की ह्लराजधानीह्व तक कहा जाता था। हाल ही में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने यहां चलाए गए ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट में शामिल जवानों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया।

खून और खेल एक साथ नहीं चल सकते: केजरीवाल

आप ने पाकिस्तान के साथ खेले जाने वाले क्रिकेट मैच का किया विरोध

नई दिल्ली
भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को दुबई में खेले जाने वाले क्रिकेट मैच को लेकर सियासत गर्म है। विपक्षी दलों के नेता पाकिस्तान के साथ मैच खेलने को लेकर केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। ताजा मामले में रविवार को एक बार फिर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पाक के साथ मैच खेलने को देश के साथ गद्दारी बताया है। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर आप नेता सौरभ भारद्वाज के पोस्ट को रिट्वीट कर कहा, "पाकिस्तान के साथ मैच खेलना देश के साथ गद्दारी है। हर भारतीय इस बात से बेहद गुस्से में है।" आम आदमी पार्टी ने कहा कि क्रिकेट और आतंकवाद एक साथ क्यों चल रहा है! पीएम मोदी को इसका जवाब देना चाहिए।
इसी क्रम में आप सांसद संजय सिंह ने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा, "मोदीजी ने कहा था 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ जारी है, तो ऑपरेशन क्रिकेट कैसे जारी है?"
वहीं, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने एक पोस्ट में लिखा, "पहलगाम हमले के बाद मोदीजी ने बड़े गर्व से कहा था ह्व३'' और ३ी११ङ्क१ साथ नहीं चल सकतेह्व। लगता है देशभक्ति केवल आपके भाषणों तक ही सीमित है। अब तो पूरा देश पूछ रहा है क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' की चिताएं इतनी जल्दी ठंडी पड़ गईं कि आतंकवादी देश के साथ क्रिकेट मैच खेला जा रहा है? प्रधानमंत्री जी को इसका जवाब देना चाहिए।" उल्लेखनीय है कि इससे पहले, शनिवार को इसी मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी के नेताओं ने पार्टी मुख्यालय में पाकिस्तानी क्रिकेटरों का पुतला जलाया था।

बारिश के चलते वैष्णो देवी यात्रा फिर स्थगित

यूपी में 4% कम तो हिमाचल में 133% ज्यादा बारिश, राजस्थान से मानसून की विदाई शुरू

लखनऊ/मंडी/जम्मू/दिल्ली
जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के चलते वैष्णो देवी यात्रा को फिर से रोका गया। 19 दिन स्थगित रहने के बाद यात्रा रविवार से शुरू होनी थी, लेकिन तेज बारिश के चलते इसे

अगले आदेश तक स्थगित किया गया। 26 अगस्त को मंदिर के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में 34 तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश के बाद गंगा, यमुना समेत नदियों का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है। बलिया में चक्की नौरंगा गांव में 5 मकान और 5 दुकानें नदी में समा गईं। इस मानसून सीजन राज्य में 654.2 बारिश हुई जो औसत 679.3 बारिश से 4% कम है। हिमाचल के मंडी जिले के धर्मपुर में सपड़ी रोह गांव में शनिवार को लैंडस्लाइड हुई। कई घरों तक मलबा पहुंच गया। 8 घर खाली भी कराए गए हैं। राज्य में बारिश-बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 386 पहुंच गया है। राज्य में 12 सितंबर तक 133% ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है। इस पीरियड में 64.6 बारिश की तुलना में 150.4 बारिश हो चुकी है।
राजस्थान के पश्चिमी हिस्से से रविवार से मानसून विदाई की शुरूआत हो गई है, लेकिन मध्यप्रदेश को अभी दो हफ्ते और लग सकते हैं।

उदयपुर में किराएदार की हत्या पर रविवार को सायरा बंद

उदयपुर
उदयपुर में मकान मालिक द्वारा किराएदार की हत्या के मामले में रविवार को सायरा में भारी विरोध प्रदर्शन जारी है। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना ने कस्बे को पूरी तरह से बंद करा दिया है। सायरा से रणकपुर और भानपुरा जाने वाले मार्ग को जाम कर दिया गया है। बड़ी संख्या में लोग सायरा बस स्टैंड पर धरने पर बैठ गए।आक्रोशित लोग मृतक के परिवार को 51 लाख रुपये का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने के साथ ही आरोपित को सख्त सजा दिलाने की मांग पर अड़े हैं। तनाव को देखते हुए तहसीलदार सुरेश मेहता और सायरा थानाधिकारी किशोर सिंह शक्तावत पुलिस बल के साथ मौके पर तैनात हैं और लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार 12 सितम्बर रात को सूरजपोल थाना क्षेत्र में अग्रवाल समाज के नोहरे के पास मकान मालिक दिनेश बंसल ने किराएदार की चाकू मारकर हत्या कर दी थी।

अब आसमान से रहेगी दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर, 670 ड्रोन खरीदेंगी भारतीय सेनाएं

नई दिल्ली
भारतीय सेना आने वाले कुछ वर्षों में और भी एडवांस ड्रोन को शामिल करने वाली है। इन ड्रोन की मदद से न केवल सीमा की निगरानी की जाएगी बल्कि, 24 घंटे दुश्मन सेना पर निगाह रखेंगे। दरअसल, हाल के दिनों में 15 वर्षीय रक्षा आधुनिकरण रोडमैप के तहत यह कदम उठाया गया है।

कैसे ड्रोन की होनी है खरीदारी?
बताया जा रहा है कि भारत की सेनाएं युद्ध में उपयोगी, सर्विलांस में अलग-अलग उपयोग किए जाने वाले ड्रोन खरीदने की योजना बना रही है।

योजना का क्या है उद्देश्य?
रिपोर्ट्स के अनुसार, यह योजना टेक्नोलॉजी पस्पेक्टिव एंड कैपबिलिटी रोडमैप में पेश की गई है। इस योजना

का उद्देश्य भारत की सेनाओं की भविष्य की तकनीकी जरूरतों का खाता तैयार करना है। इसके पीछे की वजह है कि रक्षा उद्योग इस संबंध में पहले से तैयारी कर सके और देश में ही हथियारों से लैस ड्रोन बना सके।

वायुसेना करेगी हाइब्रिड आरपीए ड्रोन का उपयोग
बता दें कि हाइब्रिड आरपीए जिसको सामान्य भाषा में रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट भी कहते हैं, एक ऐसे प्रकार का ड्रोन है जो फिक्स्ड-विंग और रोटरी-विंग दोनों तकनीकों को जोड़ते हैं। जानकारी के अनुसार, ये ड्रोन बीस हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ने की क्षमता रखते हैं। वर्तमान स्थिति के हिसाब से भारतीय वायुसेना को 10-20 हाइब्रिड आरपीए की जरूरत है।

क्या होते हैं एमएएलई ड्रोन?
जानकार बताते हैं कि ये ड्रोन 30 से 40 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ने की क्षमता रखते हैं।
इतना ही नहीं यह करीब 24 घंटे से अधिक समय तक उड़ने की क्षमता रखते हैं। कहा जा रहा है कि तीनों सेनाएं 120 से अधिक ऐसे ड्रोन खरीदेगी। इन ड्रोन की मदद से सीमा पर 24 घंटे की निगरानी की जा सकती है। वहीं, दुश्मन की हर एक एक्टिविटी पर भी नजर रखने में आसानी रहेगी।

सेना क्यों करती हैं ड्रोन का इस्तेमाल
आज के बदलते समय में ड्रोन ने युद्ध का स्वरूप बदल दिया है।
पाकिस्तान और चीन जैसे खतरों से निपटने में ये ड्रोन काफी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इन ड्रोन के शामिल होने से सेनाओं को टार्गेटेड अटैक की क्षमता मिलेगी।

भगवान श्रीकृष्ण के लीला स्थलों पर हम बना रहे हैं श्रीकृष्ण पाथेय तीर्थ: मोहन यादव

भोपाल
मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। हमारे पूर्वजों ने लोकतंत्र रूपी पौधे की जड़ों को इतनी खूबसूरती से सींचा है कि अब यह विशाल वटवृक्ष बन चुका है। हमारी सरकार भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को चिरस्थाई बनाने के लिए मध्य प्रदेश एवं देश में उनकी लीला स्थलों को चिन्हित कर श्रीकृष्ण पाथेय विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। श्रीकृष्ण के लीला स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को बिहार की राजधानी पटना में भगवान श्रीकृष्ण के विचारों का जन समरस 'सांस्कृतिक सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण सच्चे अर्थों में लोकतांत्रिक व्यवस्था के पक्षधर थे। उन्होंने अपने राजकाज में लोकतांत्रिक मूल्यों और सभी के विचारों को महत्व दिया। हमारी सरकार भगवान श्रीकृष्ण के बताए मार्ग पर ही चल रही है। उनके विचार हमारे लिए अमूल्य पूंजी और हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। उन्होंने यहां अखिल भारतीय यादव महासभा अहीर की बिहार इकाई द्वारा आयोजित नियमित समाज सुधार श्रृंखला में भी सहभागिता की और समाज सुधार की दिशा में अपने विचार व्यक्त किए।

रबी फसलों की बुवाई सीजन से संबंधित तैयारियों, उत्पादन लक्ष्यों और रणनीतियों पर गहन चर्चा होगी, सम्मेलन के पहले दिन केंद्र एवं राज्यों के अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विर्मश होगा

पूसा में 15 सितंबर से आयोजित होगा राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता कृषि मंत्री शिवराज सिंह करेंगे

कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, राज्य सरकारों के वरिष्ठ प्रतिनिधि भाग लेंगे

नई दिल्ली

दिल्ली के पूसा में आगामी सोमवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-रबी अभियान 2025 आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने े एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, रबी फसलों के संबध में आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे जिसमें देशभर के कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, नीति-निर्धारकों एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसमें रबी फसलों की बुवाई सीजन से संबंधित तैयारियों, उत्पादन लक्ष्यों और रणनीतियों पर गहन चर्चा होगी। सम्मेलन में अनेक राज्यों के कृषि मंत्री, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण सचिव, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक सहित अन्य संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों तथा राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन के पहले दिन केंद्र एवं राज्यों के अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विर्मश होगा जबकि दूसरे दिन सभी राज्यों के कृषि मंत्री, केंद्रीय कृषि मंत्री एवं राज्यमंत्री चर्चा में भाग लेंगे। इस दौरान नवीनतम तकनीक एवं बीजों को किसानों तक प्रभावी तरीके से पहुंचाए जाने के बारे में गहन चिंतन एवं समीक्षा की जाएगी। सम्मेलन में पहली बार कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों को भी आमंत्रित किया गया है जो क्षेत्रीय अनुभव एवं चुनौतियां को साझा करने के साथ आगे की रणनीति तय करेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर समानांतर तकनीकी सत्र आयोजित होंगे।

जिसमें पिछले साल 29 मई से 12 जून तक विभिन्न राज्यों का दौरा करते हुए उन्होंने स्वयं किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं के समाधान का प्रयास किया था। पहले चरण में वैज्ञानिकों की 2,170 टीमें विभिन्न गांवो में गई जहां किसानों ने वैज्ञानिकों से बातचीत कर खेती से जुड़ी आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

बाढ़ प्रभावित राज्यों के लिए एम्स ने शुरू की टेलिमेडिसिन सेवा

नई दिल्ली

देश के बाढ़ प्रभावित राज्यों के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने एक टेलिमेडिसिन सेवा शुरू की है। इस सेवा के तहत एक मोबाइल नंबर 9355023967 जारी किया गया है जिससे लोग डॉक्टरों से सलाह ले सकते हैं। यह हेल्पलाइन पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार के लोगों के लिए शुरू की है। शनिवार को एम्स के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमरिंदर सिंह मल्ही ने मीडिया को बताया कि एम्स नई दिल्ली उत्तर भारत के सभी प्रभावित क्षेत्रों के लिए अपनी चिकित्सा सेवाएं शुरू की है। उन्होंने कहा कि

हमारी टीमें सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के रोगियों के उपचार में मदद करेंगी और यह सुनिश्चित करेंगी कि चिकित्सा सहायता, टेलीफोन पर मरीजों को सलाह और सहायता सभी जरूरतमंदों तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि मरीजों को टेलिफोन पर स्वास्थ्य सलाह देने के साथ उन्हें दवाइयां पहुंचाने की दिशा में भी योजनाएं बनाई जा रही है। फोन कॉल की संख्या के बाद टेलीमेडिसिन लाइन की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, और बिहार जैसे राज्यों में बाढ़ का पानी कुछ जगहों पर उतरना शुरू तो हो गया है, लेकिन इसके साथ ही वह कई सारी बीमारियां भी लेकर आया है। इससे होने वाली बीमारी की चपेट में राज्यों के कई लोग आ गए हैं। बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत देने के लिए नई दिल्ली स्थित एम्स ने टेली टेलीमेडिसिन सेवा शुरू की है।

ड्राइवर ही निकला लूट का मास्टरमाइंड, 55 लाख रुपये का कॉपर स्क्रैप बरामद

ट्रक चालक समेत चार आरोपित को गिरफ्तार कर केस की गुत्थी सुलझा ली

नई दिल्ली

न्यू उस्मानपुर थानाक्षेत्र में सिग्नेचर ब्रिज के पास टाटा-709 ट्रक के चालक को नशे का इंजेक्शन लगाकर 55 लाख रुपये मूल्य के 6000 किलोग्राम कापर स्क्रैप लूटने के मामले में क्राइम ब्रांच ने ट्रक चालक समेत चार आरोपित को गिरफ्तार कर 48 घंटे के अंदर केस की गुत्थी सुलझा ली है। चालक ने
अपने स्क्रैप डीलर दोस्त और दो अन्य के साथ मिलकर लूट की साजिश रची थी। उसके बाद नाटकीय अंदाज में वारदात को अंजाम दिया गया। सीसीटीवी फुटेज व चालक के मोबाइल का काल डिटेल रिकार्ड से पुलिस को चालक पर शक गहराने पर जब उससे सख्ती से पूछताछ की गई तब उसने सारी बात बता दी। पुलिस ने चारों से पूछताछ के बाद लूटे गए करीब 55 लाख रुपये मूल्य के सभी 6000 किलोग्राम कापर स्क्रैप के अलावा टाटा-709 ट्रक, इंजेक्शन और सिरिंज बरामद कर लिया है।
डीसीपी हर्ष इंदौरा का कहना है कि नौ सितंबर को मनीष कुमार नाम के चालक ने पुलिस से शिकायत कर बताया कि वह 6000 किलोग्राम कापर स्क्रैप (80 बोरों में पैक) लेकर टाटा 709 ट्रक से लिबासपुर से मंडोली जा रहा था। तभी सुबह 11 बजे सिग्नेचर ब्रिज पार करने के बाद रिंग रोड पर एक स्विफ्ट कार सवार युवकों ने खुद को बैंक अधिकारी बताकर ट्रक रुकवाया लिया।

विकसित भारत के रोडमैप पर चर्चा हर विधानमंडल में हो: हरिवंश

नई दिल्ली

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि इस देश की जनता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करती है। हर विधायक और सरकार का यह सामूहिक दायित्व है कि वे भविष्य के लिए एक व्यापक दृष्टि रखें। हर राज्य अपनी विकास यात्रा के अलग-अलग चरण में हैं। इसलिए विकसित भारत 2047 के निर्माण की राह पर हर विधानमंडल में नियमित चर्चा होना आवश्यक है। शनिवार को बेंगलुरु में आयोजित 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ

सम्मेलन के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए हरिवंश ने कहा कि राजनीतिक दलों द्वारा पूर्वनियोजित हंगामे ही सदन में सदस्यों के अनुशासनहीन व्यवहार की प्रमुख वजह हैं।

कालकाजी के मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल का बुरा हाल, मरीजों को नहीं मिल रही जरूरी सुविधाएं

रजिस्ट्रेशन काउंटर के बाहर लगा रेबीज वैक्सीन उपलब्ध नहीं होने का पर्चा।

नई दिल्ली

कालकाजी स्थित पूर्णिमा सेठी मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल में सुविधाओं की कमी के कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में 24 घंटे इलाज की सुविधा नहीं होने के कारण दोपहर बाद मरीजों को वहां से वापस लौटना पड़ता है। स्टाफ की कमी के कारण एक्स-रे जांच अस्थायी रूप से बंद है। ऐसे में मरीजों को मजबूरी में बाहर से जांच करानी पड़ती है। इस कारण मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वर्ष 2015 में बने इस सात मंजिला मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल का लोगों को पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। इमारत की मात्र दो मंजिल ही इस्तेमाल में लाई जा रही हैं, बाकी बंद पड़ी हैं। स्टाफ की कमी के कारण दोपहर दो बजे के बाद ओपीडी सेवा बंद कर दी जाती है। उसके बाद जांच करवाने आने वालों का वापस लौटना पड़ता है। मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल होने के कारण यहां

कालकाजी के अलावा संगम विहार, बदरपुर, तेखंड, गोविंदपुरी, संजय कॉलोनी, जैतपुर, ओखला आदि इलाकों के लोग इलाज करवाने के लिए आते हैं। अस्पताल में दोपहर दो बजे तक ही ओपीडी में मरीजों को देखने की व्यवस्था है। इसके बाद अस्पताल में ताला लग जाता है।

मरीजों ने जताई नाराजगी

मैं यहां कुत्ते के काटने पर रेबीज का इंजेक्शन लगवाने के लिए आया था। मगर यहां इंजेक्शन नहीं हैं। इसलिए वापस जा रहा हूं, प्राइवेट क्लीनिक में जाकर इंजेक्शन लगवाना पड़ेगा।

- मुकेश कुमार, संजय कॉलोनी

इतना बड़ा अस्पताल होने के बावजूद यहां प्राथमिक उपचार तक नहीं मिल पा रहा है। बुखार होने के कारण डॉक्टर ने रक्त की जांच करवाने के लिए कहा है, मगर यहां जांच नहीं होती है। बाहर से करवानी पड़ेगी।

- सरोज सिंह, तेखंड

अस्पताल में गर्भवती महिलाओं की जांच और उपचार के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। मैं यहां अपना चेकअप करवाने आई थी, मगर अस्पताल में महिला रोग विशेषज्ञ ही नहीं है। कहीं दूसरी जगह जाकर दिखाना पड़ेगा।

- जैस्मीन खातुन, ओखला

नाम न छापने की शर्त पर अस्पताल के एक चिकित्सक ने बताया कि अस्पताल में चार जनरल फिजिशियन और दो स्पेशलिस्ट डॉक्टर हैं। स्टाफ की कमी के चलते एक्स-रे जांच सप्ताह में केवल दो दिन ही होती है।

रेबीज के इंजेक्शन की पूर्ति, स्टाफ की कमी को पूरा करने और सुविधाएं बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग को लिखा गया है।

सीबीआई ने दो फर्जी कॉल सेंटर का किया भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

ब्रिटेन के नागरिकों को सरकारी अधिकारी बनकर फोन किया जाता था

नासिक

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नासिक में दो फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए साइबर ठगी के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई की गिरफ्त में आए आरोपितों की पहचान गणेश और श्याम कमांकर के रूप में हुई

है। दोनों को 13 सितंबर को विशेष सीबीआई अदालत, ठाणे में पेश किया गया, जहां से उन्हें 15 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया। प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों ने एम/एस स्वगन बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से ये कॉल सेंटर संचालित किए थे।

यहां से ब्रिटेन के नागरिकों को बीमा एजेंट और सरकारी अधिकारी बनकर फोन किया जाता था और उन्हें फर्जी बीमा पॉलिसी के नाम पर ठगा जाता था।

इंस्पेक्टरों के लिए गुड न्यूज, लंबे समय तक रह सकेंगे थाना प्रभारी

साक्षात्कार में पास होने, बेहतर रिकॉर्ड वाले इंस्पेक्टरों को मिलेगी थानों की कमान

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टरों के लिए एक राहत की खबर यह है कि अगर वे अपने इलाके में बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखेंगे, उनका ट्रैक रिकार्ड ठीक होगा और पुलिस आयुक्त की उम्मीदों पर खड़ा उतरेंगे तब वे लंबे समय तक थाना प्रभारी के पद पर बने रह सकेंगे। यानी बेहतर काम करने वाले इंस्पेक्टर पहले की तरह विभिन्न थानों के थाना प्रभारी रह

पाएंगे। इसके लिए कोई पाबंदी नहीं रहेगी।

दिल्ली समेत सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बल में इस तरह की व्यवस्था पहले से है। तीन साल पहले तत्कालीन पुलिस आयुक्त ने दिल्ली में थाना प्रभारियों के कार्यकाल की समय सीमा तीन साल तय कर दी थी। इस फैसले का अच्छा परिणाम आने के बजाय खराब परिणाम सामने आया।

कार्यकाल की समय सीमा तय कर देने से पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार तेजी से पनपा। थाना प्रभारियों का अपने कर्मियों पर किसी न किसी दबाव के कारण इलाके की कानून व्यवस्था पर ध्यान देने के बजाय उनका ध्यान दूसरे कामों पर अधिक लगा रहा। जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई। सड़कों पर होने वाले छोटे-मोटे अपराध बढ़ गए। नए आयुक्त सतीश गोलचा ने पदभार ग्रहण करते ही इस फैसले को तुरंत बदलने का निर्णय लिया था। सभी आला अधिकारियों से सलाह मशविरा के बाद इसे बदल दिया गया। पुलिस अधिकारी का कहना है कि दिल्ली में थाना प्रभारियों के सामने अपने इलाके की कानून व्यवस्था को बनाए रखने की बड़ी चुनौती रहती है।

खाली पड़े हैं 14 थाने

अनुभवी थाना प्रभारियों को थानों के संचालन में अधिक समस्या नहीं आती है, लेकिन नए प्रभारियों को कुछ समय तक दिक्कत आती है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि दो से तीन साल का समय थाना प्रभारियों को काम सीखने में लग जाता है तब तक उनका कार्यकाल पूरा हो जाने पर उन्हें बदल दिया जाता था। मौजूदा समय में दिल्ली के 14 थाने खाली पड़े हैं। इन थानों के थाना प्रभारियों में कुछ को किसी न किसी लापरवाही के कारण निलंबित तो कुछ को लाइन हाजिर कर दिया गया। जिससे ये थाने खाली पड़े हैं। इनमें अधिकतर पहली बार थाना प्रभारी की जिम्मेदारी पाने वाले इंस्पेक्टर थे।

नालसार विवि ने सम्मेलन कॉर्प-कॉन आयोजित

नई दिल्ली। नालसार विश्वविद्यालय और भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) ने हैदराबाद में संयुक्त रूप से राष्ट्रीय सम्मेलन कॉर्प-कॉन 2025 आयोजित किया। इस सम्मेलन में शैक्षणिक और कॉर्पोरेट विशेषज्ञों ने पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) सिद्धांतों और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के उभरते ढांचे पर विचार-विमर्श किया। कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने संबोधित किया।

एसओएल के छात्रों के लिए गुड न्यूज, विद्यार्थियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के ताहिरपुर स्थित पूर्वी दिल्ली परिसर का 22 सितंबर को उद्घाटन होगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इसका लोकार्पण करेंगे। इसके सात मंजिला भवन में स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब, मनोविज्ञान प्रयोगशाला और स्किल डेवलपमेंट सेंटर जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। पूर्वी दिल्ली से जुड़े छात्र-छात्राओं को पुस्तक वितरण भी इसी केंद्र से शुरू किया जाएगा। यह परिसर डेढ़ एकड़ में फैला है। सितंबर 2021 में इसका शिलान्यास किया गया था। करीब 45 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण किया गया है। कंप्यूर लैब इस परिसर की विशेषता है। उसमें 500 कंप्यूटर लगाए गए हैं। प्रयोग के तौर पर मई में इस परिसर के एकलव्य भवन में परीक्षा का आयोजन किया गया था।

वाहन चोरी के मामले में छह आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली

पूर्वी जिले की एंटी-नारकोटिक्स टीम ने अंतरराज्यीय वाहन चोरी गैंग का भंडाफोड़ करते हुए गैंग के मास्टरमाइंड समेत छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गैंग दिल्ली और आसपास के इलाकों से लग्जरी गाड़ियां चुराकर उप्र और पूर्वोत्तर राज्यों में बेचता था। पुलिस ने गैंग के पास से क्रेटा और किआ सेल्टॉस समेत करीब एक करोड़ रुपये की कीमत की लग्जरी गाड़ियां, मास्टर चाबी, फर्जी नंबर प्लेट और नकली आरसी बरामद की हैं।

झगड़े में बीच-बचाव करने आए युवक की चाकू घोंपकर हत्या, 6 गिरफ्तार

किराने के दुकान पर हुई वारदात छह नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली

मंगोलपुरी में किराने की दुकान पर कल रात झगड़े के बाद हुई चाकूबाजी व मारपीट में दुकानदार समेत तीन लोग घायल हो गए। बाद में इलाज के दौरान घायलों में से एक युवक की मौत हो गई। बताया

जाता है कि मृतक युवक दुकान पर कुछ सामान लेने आया था और झगड़े में बीच-बचाव के दौरान हमलावरों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में दुकानदार व उसका दोस्त भी घायल हो गए, जहां मरहम-पट्टी के बाद उन्हें छुट्टी मिल गई। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए शनिवार को हत्या के आरोप में छह नाबालिग को पकड़ लिया है। बाहरी जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कल रात मंगोलपुरी थाना पुलिस को जे-ब्लाक में चाकूबाजी की घटना के संबंध में पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। इसके बाद पुलिस संजय गांधी अस्पताल पहुंची, जहां पता चला कि मंगोलपुरी निवासी 32 वर्षीय अरुण नामक व्यक्ति के पैर में चाकू से गंभीर चोट लगी है। उसे सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। अरुण मंगोलपुरी में किराए पर रहता था।

दिल्ली में कब दुरुस्त होगी 70 वार्डों की सफाई व्यवस्था?

नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के 250 वार्ड में से तीन जोन के 70 वार्ड में सफाई व्यवस्था सुधरने में अभी तीन से चार माह का समय लगेगा। कूड़ा उठाने के लिए नई एजेंसी के चयन के लिए एमसीडी ने टेंडर तो निकाल दिए हैं, लेकिन पूरी प्रक्रिया होने के साथ ही जमीनी स्तर पर काम करने मे वक्त लगेगा। ऐसे में 70 वार्ड के लोगों को फिलहाल जो समस्या आ रही है उससे अभी निजात मिलना मुश्किल नजर आ रहा है। हालांकि निगम ने अतिरिक्त तौर पर कूड़े उठाने के लिए टाटा 407 और अन्य वाहनों को पांच माह के लिए अनुबंधित करने का

कार्य शुरू कर दिया है, लेकिन फिलहाल इससे कोई समाधान नहीं होगा क्योंकि जहां वार्ड में सात से आठ टिप्पर आते थे वहां पश्चिमी जोन में अभी तीन से चार ही टिप्पर कूड़ा उठाने पहुंच रहे हैं। इसकी वजह से न तो रिहायशी इलाकों से समय से कूड़ा उठ रहा है और न डलावों और अन्य स्थानों से कूड़ा उठ पा रहा है। उल्लेखनीय है कि करीब दो वर्ष मध्य जोन के 25 वार्ड में कूड़ा उठाने वाली एजेंसी का कायार्देश खत्म हो चुका था तो वहीं ऐसी ही स्थिति दक्षिणी और पश्चिमी जोन में है। तीनों जोन में कुल मिलाकर 70 वार्ड के करीब

पार्षदों का कहना है कि वर्तमान एजेंसी के पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं

30 लाख लोग इस समस्या से परेशान हो रहे हैं। निगम के अनुसार उसने मध्य जोन में 933 करोड़ रुपये की राशि का सात साल के लिए कूड़ा उठाने वाली एजेंसी की नियुक्ति के लिए निविदा आमंत्रित की है। ऐसे ही पश्चिमी जोन में 1123 करोड की निविदा सात साल के लिए आमंत्रित की है। वहीं दक्षिणी जोन में 1180 करोड की राशि से दक्षिणी जोन में कूड़ा उठाने के लिए सात साल के लिए एजेंसी से निविदा आमंत्रित की है। इन निविदाओं को अगले माह के मध्य में खोला जाएगा । ऐसे में कायार्देश जारी करने में पूरा अक्टूबर माह लग सकता है। इसके बाद एजेंसियों को अपने संसाधन जमीनी स्तर पर उतारने में भी दो माह का समय लग जाएगा। हम बार-बार यह समस्या उठा रहे हैं कि पश्चिमी जोन में कूड़ा उठाने वाली जो एजेंसी है उसका कार्य ठीक किया जाए लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। जोन के सभी पार्षद और नागरिक समय से कूड़ा न उठने से परेशान हैं।

मुकरबा चौक के पास फ्लाईओवर से नीचे रेलवे ट्रैक पर गिरी कार, ड्राइवर घायल

वह रेलवे ट्रैक के ऊपर बने फ्लाईओवर के पास पहुंचे, तो गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया

नई दिल्ली

समयपुर बादली थाना क्षेत्र में मुकरबा चौक के पास एक कार बेकाबू होकर फ्लाईओवर से नीचे रेलवे ट्रैक पर जा गिरी। इस घटना में ड्राइवर घायल हो गया है। सूचना पर पहुंची मामले की जांच में जुटी

गई है। पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि मारुति हैदरपुर मेट्रो स्टेशन के सामने रिंग रोड के नीचे रेलवे ट्रैक पर पलटी हुई थी। संबंधित वाहन को तुरंत हटाकर ट्रैक साफ कर दिया गया। गाजियाबाद की प्रताप विहार रेलवे कॉलोनी निवासी चालक सचिन चौधरी को कंधे और चेहरे पर मामूली खरोंचें आईं। हादसे में किसी और को चोट नहीं आई है। उन्होंने बताया कि वह पीरागढ़ी से गाजियाबाद आ रहे थे। जब वह रेलवे ट्रैक के ऊपर बने फ्लाईओवर के पास पहुंचे, तो गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और रिंग रोड के किनारे फुटपाथ से टकरा गए।

संपादकीय

प्रेम, भक्ति एवं शक्ति की अनंत ज्योति हैं राधाजी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी का दिन भारतीय संस्कृति में प्रेम, भक्ति, शक्ति और समर्पण का अनोखा पर्व लेकर आता है-यह है राधाष्टमी। इसे राधा रानी का जन्मोत्सव माना जाता है। यह केवल किसी भक्ति की शिखर नारी चरित्र के जन्मोत्सव का पर्व नहीं, बल्कि उस दिव्य शक्ति की अभ्यर्थना है जिसने स्वयं श्रीकृष्ण के जीवन को एक अनूठी ऊंचाई दी। इस दिन भक्त राधा और श्रीकृष्ण की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं और उनकी कृपा से सुख-समृद्धि व सौभाग्य की प्राप्ति की कामना करते हैं। ब्रजभूमि, खासकर बरसाना में इसे बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। राधाजी प्रेम, भक्ति और श्रीकृष्ण के भीतर छिपी शक्ति का प्रतीक हैं; वह प्रेम की पराकाष्ठा, भक्ति की देवी और श्रीकृष्ण की आंतरिक शक्ति के रूप में पूजी जाती हैं। उनका दिव्य प्रेम आध्यात्मिक प्रेम की एक मिसाल है। यदि श्रीकृष्ण लीला, माधुर्य और करुणा के अवतार हैं, तो राधा उस लीला का रस, उस माधुर्य की गहराई और उस करुणा की आत्मा हैं। इसीलिए भारतीय भक्ति परंपरा में कहा गया-ह्लराधे बिनु नहीं कृष्ण, कृष्ण बिनु नहीं राधेह्व।

राधा भारतीय संस्कृति में केवल एक स्त्री का नाम नहीं हैं, वे प्रेम की पराकाष्ठा और भक्ति की सर्वोच्च अभिव्यक्ति हैं। उनका प्रेम सांसारिक या देहाधारित नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा का मिलन है। यह प्रेम स्वार्थ और अधिकार से परे है, यह प्रेम केवल समर्पण और तादात्म्य का है। राधा का जीवन त्याग और अनुराग का अद्भुत समन्वय है। उन्होंने कभी अपने लिए कुछ नहीं चाहा, उनका हर भाव, हर श्वास केवल श्रीकृष्ण में रमा रहा। यही कारण है कि भक्त कवियों ने राधा को ह्यभक्ति-रस की मूर्तिह्ण और ह्यप्रेम की अधिष्ठात्री देवीह्ण कहा। सूरदास ने लिखा-ह्यप्रेम भया मनु भाव समाना, राधा तन मन कृष्ण बखाना।ह्ण अर्थात, प्रेम ऐसा हो कि हृदय और आत्मा में केवल श्रीकृष्ण का ही वास हो जाए। निश्चित ही राधा और श्रीकृष्ण का संबंध, आत्मा और परमात्मा का अद्भुत एवं विलक्षण संवाद है। सामान्य दृष्टि से देखने पर राधा और श्रीकृष्ण का संबंध केवल प्रेमिका-प्रेमी का प्रतीत हो सकता है, लेकिन इसका वास्तविक अर्थ बहुत गहन है। यह संबंध सांसारिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक है। यह आत्मा और परमात्मा का शाश्वत संवाद इसलिये है कि इसमें किसी प्रकार का मोह, स्वार्थ या वासना नहीं है।

राधा श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व को पूर्णता प्रदान करती हैं। श्रीकृष्ण लीला के केंद्र हैं, परंतु वह लीला राधा के बिना अधूरी है। इसीलिए भक्त परंपरा में श्रीकृष्ण का नाम लेने से पहले राधा का नाम लिया जाता है, ह्लराधे-कृष्णह्व, ह्लश्यामा-श्यामह्व। यह क्रम अपने आप में गहरा दार्शनिक संदेश देता है कि परमात्मा तक पहुँचने का मार्ग राधा जैसे प्रेम और भक्ति से होकर जाता है। राधा केवल श्रीकृष्ण की प्रेयसी नहीं, बल्कि उनकी शक्ति और प्रेरणा हैं। गीता में श्रीकृष्ण ने प्रकृति के दो रूप बताए हैं-अपरा और परा। राधा को परा प्रकृति का स्वरूप माना जाता है, जो जीवन को आध्यात्मिकता की ओर ले जाती है। वे श्रीकृष्ण की लीलाओं की आत्मा हैं, उनकी आराधना का आधार हैं। राधा के प्रेम में कोई अधिकार नहीं, केवल समर्पण है। उनका संदेश है कि सच्चा प्रेम पाने में नहीं, बल्कि देने में है। यही देने की भावना जीवन को ऊँचाई देती है। यह प्रेम केवल मनुष्य और मनुष्य के बीच संबंधों में ही नहीं, बल्कि मनुष्य और ईश्वर के संबंध में भी उतना ही प्रासंगिक है।

राधा की भक्ति को सर्वोच्च माना गया है। उनका प्रेम निष्काम है, केवल श्रीकृष्णमय है। उन्होंने अपने अस्तित्व को ही श्रीकृष्ण में विलीन कर दिया। यही कारण है कि चैतन्य महाप्रभु ने राधा की भक्ति को अपनाया और उसी रस में डूबकर कहा-मैं राधा की भक्ति में श्रीकृष्ण को देखता हूँ और श्रीकृष्ण की भक्ति में राधा को। सूरदास, रसखान, विद्यापति, मीराबाई-सभी भक्त कवियों ने राधा के माध्यम से ही प्रेम और भक्ति के गहनतम स्वरूप का चित्रण किया। मीराबाई ने जब कहा-ह्लमेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोईह्व-तो उसमें राधा का ही भाव प्रतिध्वनित होता है। आज के समय में जब संबंधों में स्वार्थ, गणना और तात्कालिकता का समावेश बढ़ता जा रहा है, तब राधा का चरित्र हमारे लिए नई रोशनी देता है। सच्चा प्रेम वही है जिसमें समर्पण, विश्वास और त्याग हो। समकालीन जीवन में जहां परिवार और समाज टूटते जा रहे हैं, वहां राधा का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो उठता है। उनका जीवन बताता है कि जब तक हम संबंधों को केवल लाभ-हानि की दृष्टि से देखते रहेंगे, तब तक उनमें स्थायित्व नहीं आएगा। स्थायित्व तभी आएगा जब उनमें राधा जैसा समर्पण होगा।

भक्ति के स्तर पर भी राधा हमें प्रेरणा देती हैं। आज धर्म अक्सर कर्मकांड और बाहरी आडंबर तक सीमित होता जा रहा है। राधा हमें सिखाती हैं कि भक्ति हृदय की गहराई में होती है, जहां भक्त और भगवान का भेद मिट जाता है। जब हम राधा की तरह निष्काम होकर ईश्वर में समर्पित हो जाते हैं, तब जीवन की हर कठिनाई तुच्छ लगने लगती है और एक अद्भुत शांति प्राप्त होती है।

राधा का जीवन हमें यह स्मरण कराता है कि मनुष्य का परम उद्देश्य केवल भौतिक सुख या उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा का मिलन है। वे हमें बताती हैं कि भक्ति केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि हृदय की गहराई से ईश्वर के साथ तादात्म्य स्थापित करना है। आज जब मानवता संघर्ष, तनाव और अकेलेपन से गुजर रही है, राधा हमें सिखाती हैं कि सच्चा समाधान प्रेम और समर्पण में है। यदि हम राधा के जीवन से प्रेरणा लें, तो हमारे व्यक्तिगत संबंध, सामाजिक ताना-बाना और आध्यात्मिक जीवन सब में नई ऊर्जा और शांति का संचार हो सकता है।

शास्त्रों में श्री राधा श्रीकृष्ण की शाश्वत शक्तिस्वरूपा एवम् प्राणों की अधिष्ठात्री देवी के रूप में वर्णित हैं अतः राधाजी की पूजा के बिना श्रीकृष्ण की पूजा अधूरी मानी गयी है। श्रीमद देवी भागवत में श्री नारायण ने नारदजी के प्रति श्री राधायै स्वाहा षडाक्षर मंत्र की अति प्राचीन परंपरा तथा विलक्षण महिमा के वर्णन प्रसंग में श्री राधा पूजा की अनिवार्यता का निरूपण करते हुए कहा है कि श्री राधा की पूजा न की जाए तो मनुष्य श्रीकृष्ण की पूजा का अधिकार नहीं रखता। स्वयं भोलेनाथ ऋषि नारदजी के पूछने पर कहते हैं कि मैं तो श्रीराधा के रूप, लावण्य और गुण आदि का वर्णन करने मे अपने को असमर्थ पाता हूं। उनके रूप आदि की महिमा कहने में भी लज्जित हो रहा हूं। तीनों लोकों में कोई भी ऐसा समर्थ नहीं है जो उनके रूपादि का वर्णन करके पार पा सके। उनकी रूपमाधुरी जगत को मोहने वाले श्रीकृष्ण को भी मोहित करने वाली है। यदि अनंत मुख से चाहूं तो भी उनका वर्णन करने की मुझमें क्षमता नहीं है।

शास्त्रों के अनुसार, राधा के बिना कृष्ण की पूजा भी अधूरी मानी जाती है, इसलिए राधा अष्टमी का महत्व बहुत अधिक है। इस दिन व्रत और पूजा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और भक्तों को धन, ऐश्वर्य और सुख मिलता है।

विवाहित महिलाएं अखंड सौभाग्य और संतान सुख के लिए राधा अष्टमी का व्रत रखती हैं। राधाअष्टमी का पर्व केवल एक जन्मोत्सव नहीं, बल्कि यह हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा प्रेम और भक्ति किसे कहते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, राधा रानी का जन्म बरसाना में वृषभानु और कीर्तिदा के घर हुआ था। उन्हें भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य शक्ति माना जाता है। मान्यता है कि जो भक्त राधा रानी को प्रसन्न कर लेते हैं, भगवान श्री कृष्ण स्वयं उनसे प्रसन्न हो जाते हैं। राधा हमें सिखाती हैं कि प्रेम आत्मा की अनुभूति है, जो परमात्मा से जोड़ता है। वे प्रेम की उस ज्योति की प्रतीक हैं, जो न केवल श्रीकृष्ण को आलोकित करती है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पथप्रदर्शक बनती है।

सड़क हादसे: बेसुध प्रशासन, लाचार सरकार

प्रमोद भार्गव

देश में सड़क दुर्घटनाओं को लेकर 2023 की नई रिपोर्ट आई है, लेकिन हाल वही पुराना है। बीते वर्ष की तुलना में 4.2 प्रतिशत हादसे बढ़ गए, इनमें जान गवांने वालों की संख्या भी बढ़ गई। षासन और प्रशासन ने बड़े हादसों का ठीकरा वाहनों की तेज रफ्तार पर फोड़कर अपनी चिंता पूरी कर ली। केंद्रिय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नीतिन गडकरी सड़क हादसों का दोशी अकर्मण्य आधिकारियों को जता देते हैं, लेकिन जब यह निकम्मे हैं, तो इन पर कार्यवाही क्यों नहीं होती। अतएव रिपोर्ट का निश्कर्श है कि प्रशासन बेसुध है और सरकार नौकरशाही के आगे लाचार है।

देशभर में इस साल जनवरी से जून के बीच केवल राश्ट्रीय राजमार्गों पर हुई दुर्घटनाओं में 26,770 लोगों ने प्राण गंवा दिए हैं। नीतिन गडकरी ने संसद के मानसून सत्र में राज्यसभा में लिखित जानकारी सांसद संबित पात्रा के प्रश्न के उत्तर में दी थी। गडकरी ने बताया था कि सरकार 2022 से प्रत्येक वर्श राज्यों और केंद्र षासित प्रदेशों से मिले आंकड़ों के आधार पर भारत में ह्यसड़क दुर्घटनाएंह्य षीर्शक से रपट प्रकाशित करती है। देशभर में हुई सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों के प्रबंधन और विश्लेशण के लिए ह्यइलेक्ट्रोनिक डिटेलह्य एक्सिडेंट रिपोर्ट (ई-डार) पोर्टल विकसित किया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में 53,372 लोगों ने और 2024 में 52,609 लोगों के प्राण चले गए थे और 2025 के बीते छह माह में 26,770 लोगों की मौतें हुई हैं।

देश में सड़कों पर एक्सप्रेस हाइवे, चौड़ीकरण और ग्रामों में सड़कों के विस्तार के चलते जिस अनुपात में रफ्तार की सुविधा बढ़ी है, उसी अनुपात में दुर्घटनाएं भी बढ़ रही हैं। पूरे देश में एक्सप्रेस-वे पर निरंतर दुर्घटनाएं घट रही हैं। यह चिंता की बात है कि आखिर ये हादसे क्यों हो रहे हैं ? केंद्र सरकार ने नवंबर 2022 में जानकारी दी थी कि देशभर में हई कुल सड़क दुर्घटनाओं में 32.9 प्रतिशत एक्सप्रेस-वे पर घटी हैं। इनकी वजह तेज गति रही है। साल है कि जब तेज रफ्तार से

हादसे हो रहे हैं, तो इन्हें रोकने के उपाय क्या किए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों में तो गति राडार लगाए गए हैं। व्यावसायिक वाहनों में भी स्पीड गवर्नर लगाने की योजना है, लेकिन वह ठंडे बस्ते में पड़ी है। यह योजना इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम है। इसे वाहन की ईंधन प्रदाय प्रणाली से जोड़ा जाता है, जो गति बढ़ाने के लिए अतिरिक्त तेल इंजन में जाने ही नहीं देती है। दुर्घटनाओं के बढ़ने का एक बड़ा कारण देश को कार और दो पहिया वाहनों से पाट देना भी है। षराब पीकर वाहन चलाना भी दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण है। अब तक यह आम धारणा बनी हुई है कि सड़क हादसे राजमार्गों पर अधिक होते हैं। किंतु सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क दुर्घटनाओं को लेकर एक नई तस्वीर पेश की है। इससे पता चला है कि राजमार्गों से कहीं अधिक हादसे भीतरी सड़कों पर भी होने लगे हैं। यह वाकई हकीकत है। ग्रामीण इलाकों में जबसे ट्रेक्टर, बाइक और कार-जीपों की संख्या बढ़ी है, तब से इन छोटे समझे जाने वाले मार्गों पर दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बीते दो दशकों के भीतर गांव-गांव सड़कें पहुंची हैं और उसी तादाद में वाहन भी बढ़े हैं। विडंबना यह भी रही कि इसी दौरान गांव-गांव षराब की वैध-अवैध बिक्री भी षुरू हो गई, जो दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बन रही है। सड़क हादसों में भारत को हर साल मानव संसाधन का सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ता है।

अंतरराश्ट्रीय सड़क संगठन (आईआरएफ) की रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में सड़क हादसों में होने वाली मौतों में भारत की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से ज्यादा हैं। इस जानकारी के अनुसार 12.5 लाख लोगों की दुनिया में प्रतिवर्श सड़क हादसों में मौतें होती हैं, इनमें सर्वाधिक भारत में होती है। जो परिवार हादसे में अपने परिजन को गंवाता है, उस पर पांच लाख रुपए का औसतन अतिरिक्त बोझ पड़ता है। सड़कों पर बढ़ती दुर्घटनाओं में षराब पीकर वाहन चलाना, नाबालिग बाइकर्स का सड़कों पर बेलगाम होना भी हैं, वहीं देश में बढ़ते सड़क हादसों के कारण राश्ट्रीय राजमार्गों में भी तलाशे जा रहे हैं। दरअसल देश में हरेक साल करीब डेढ़ लाख लोग मारे जाते हैं और चार से पांच लाख घायल होते हैं, उनमें ज्यादातर युवा होते हैं। दूसरी तरफ सरकार राजमार्गों पर ऐसे स्थल तलाश रही है, जहां अधिकतम दुर्घटनाएं होती हैं। इसके बाद इन स्थलों पर ऐसे सुधार किए जाएंगे,जिससे घटनाएं कम हों। राजमार्ग लंबे व तेज गति के सफर के लिए होते हैं। इसलिए अक्सर वाहनों की गति तेज रहती है।

भारी मालवाहक वाहन राजमार्गों से ही गुजरते हैं। ऐसे में यदि वाहन चालकों को आसानी से षराब की उपलब्धता दिखाई दे तो उसके प्रति स्वाभाविक रूप से लालच पैदा हो जाता है। इसके सेवन के साथ ही खतरे की आशंका बढ़ जाती है। राजमार्गों पर हर पांच किलोमीटर की दूरी पर औसतन षराब की तीन दुकानें हैं। इस बाबत पूर्व प्रधान न्यायाधीश टीएस ठाकुर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने शराब लॉबी के दबाव में अंधाधुंध परमिट बांटने की प्रवृत्ति पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि, ह्यशराब के भयावह सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर खूब चर्चा की जाती है, लेकिन संवैधानिक निर्देश के बावजूद सरकारें शराब पर अंकुश लगाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखा पाती हैं।

शराब कारोबारी भी धन के बूते ऐसी पहलों को व्यर्थ कर देते हैं और सरकारें राजस्व कमाई की दुहाई देकर शराब की बिक्री जारी रखती हैं। पिछले डेढ़ दशक में देशभर की सड़कों पर क्षमता से अधिक वाहन आए हैं। अतएव उसी अनुपात में हादसे भी बढ़े हैं। इन हादसों में ज्यादातर मरने वाले लोगों में 40 फीसदी, 26 से 45 आयुवर्ग के होते हैं। यही वह महत्वपूर्ण समय होता है, जब इन पर परिवार के उत्तरदायित्व के निर्वहन का सबसे ज्यादा दबाव होता है। ऐसे में दुर्घटना में प्राण गवां चुके व्यक्ति के परिजनों पर सामाजिक, आर्थिक और आवासीय समस्याओं का संकट एक साथ टूट पड़ता है। इन हादसों में 19 से 25 साल के इतने युवा मारे जाते हैं, जितने लोग कैंसर, टीबी और मलेरिया से भी नहीं मरते। ये हादसे मानवजन्य विसंगतियों को भी बढ़ावा दे रहे हैं। आबादी में पीढ़ी व आयुवर्ग के अनुसार जो अंतर होना चाहिए, उसका संतुलन भी गड़बड़ा रहा है। यदि सड़क पर गति को नियंत्रित नहीं किया गया तो सड़क हादसों में मरने वाले लोगों की संख्या इतनी बढ़ जाएगी कि षायद आबादी नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन की जरुरत ही नहीं रह जाएगी ?यातायात सुचारु रूप से संचालित हो, इसके लिए जापान, अमेरिका और सिंगापुर के यातायात कानून से भी सीख लेने की बात कही जा रही है। खासतौर से यूरोपीय देशों में अंतरराश्ट्रीय स्तर पर एक आचार संहिता लागू है, जिसका ज्यादातर देश पालन करते हैं।

इस संहिता के मुताबिक यदि किसी कार की गति 35 किमी प्रति घंटा है, तो दो कारों के बीच की दूरी 74 फीट होनी चाहिए। 40 मील प्रतिघंटा की रफ्तार होने पर यह अंतर 104 फीट और 45 फीट की गति पर यह अंतर 132 फीट होना चाहिए।

भीड़ और प्रदूषण ने बढ़ाई पहाड़ों की मुश्किलें

भारत की पहचान उसकी भौगोलिक विविधता और सांस्कृतिक संपन्नता में निहित है। हिमालय की ऊँचाइयों से लेकर अरावली और विंध्य की पहाड़ियों तक, हमारे देश के पर्वतीय क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक धरोहर के केंद्र रहे हैं। यही कारण है कि लाखों-करोड़ों लोग हर साल इन स्थलों की ओर आकर्षित होते हैं। कभी कोई पर्यटक शांति और सौंदर्य की तलाश में निकलता है तो कोई तीर्थयात्री आस्था और आध्यात्मिक संतोष पाने के लिए। लेकिन बीते कुछ वर्षों में जिस तरह इन स्थानों पर भीड़ का दबाव बढ़ा है, उसने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। पर्यटन और तीर्थयात्रा का यह अनियंत्रित प्रवाह अब केवल धार्मिक-आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संकट का रूप लेता जा रहा है।

हिमालय और अन्य पर्वतीय क्षेत्र अपने नाजुक भूगर्भीय ढांचे के लिए जाने जाते हैं। यहां की चट्टानें और मिट्टी मैदानी इलाकों की तुलना में कहीं अधिक संवेदनशील हैं। जब लाखों लोग एक साथ यहां आते हैं, तो न केवल मानव दबाव बढ़ता है, बल्कि उनके ठहरने, खाने-पीने और यात्रा करने की व्यवस्था के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण भी करना पड़ता है। अक्सर यह देखा गया है कि भीड़ बढ़ने के साथ ही भूस्खलन की घटनाएँ तेज हो जाती हैं। हाल ही में वैष्णो देवी मार्ग पर भीड़ बढ़ने से हादसे हुए। मणिमहेश, बद्रीनाथ, केदारनाथ और अमरनाथ जैसे तीर्थस्थलों पर भी कई बार भारी भीड़ दुर्घटनाओं का कारण बनी है। यह मानो प्रकृति की चेतावनी हो कि वह अपनी सहनशक्ति से अधिक भार नहीं उठा सकती।

भीड़ के दबाव को संभालने के लिए होटलों, रेस्तरां, दुकानों और पार्किंग स्थलों का निर्माण किया जाता है। ये निर्माण अक्सर पहाड़ों की प्राकृतिक ढलानों को काटकर किए जाते हैं। सड़क मार्ग चौड़े करने के लिए हजारों पेड़ काटे जाते हैं।

परिणामस्वरूप, पहाड़ों की संरचना कमजोर होती जाती है और बारिश के मौसम में छोटी-सी हलचल भी बड़े भूस्खलन में बदल जाती है। पर्यटकों की सुविधा के नाम पर लगातार वनों की कटाई हो रही है। यह न केवल जैव विविधता को खत्म कर रही है, बल्कि स्थानीय लोगों के जीवन को भी प्रभावित कर रही है। जंगलों के घटने से जंगली जानवरों का प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहा है और वे मानव बस्तियों की ओर रुख करने लगे हैं।

भीड़ का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव प्रदूषण के रूप में सामने आता है। लाखों लोग इन स्थलों पर पानी की बोतलें, पैकेटबंद खाद्य पदार्थ और अन्य प्लास्टिक सामग्री साथ लाते हैं। पर्वतीय इलाकों में प्लास्टिक नष्ट नहीं होता, बल्कि नदी-नालों में जमा होकर उन्हें गंदा करता है। गंगा, यमुना, झेलम और ब्यास जैसी नदियाँ पवित्र मानी जाती हैं, लेकिन आज इन पर इतना दबाव है कि इनका जल प्रदूषित होता जा रहा है। तीर्थयात्री स्नान करते हैं, पूजा सामग्री प्रवाहित करते हैं और साथ ही कचरा भी बहा देते हैं। वाहनों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि छोटे-छोटे पहाड़ी कस्बों में भीषण जाम लग जाते हैं। डीजल वाहनों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण तो बढ़ाता ही है, साथ ही बर्फ. और ग्लेशियरों को भी प्रभावित करता है। पर्वतीय स्थलों का धार्मिक महत्व उन्हें और अधिक संवेदनशील बनाता है। कुंवारी देवी, वैष्णो देवी, केदारनाथ, बद्रीनाथ और अमरनाथ जैसे स्थानों पर लाखों श्रद्धालु हर साल पहुँचते हैं। यह आस्था का प्रतीक तो है, लेकिन जब यह यात्रा अनियंत्रित भीड़ का रूप ले लेती है, तब इससे प्रकृति पर भारी दबाव पड़ता है। इन यात्राओं को व्यापार का अवसर मानकर बड़े पैमाने पर होटल, लॉज और बाजार बना दिए जाते हैं। स्थानीय लोग तो कुछ हद तक लाभान्वित होते हैं, लेकिन असंतुलित और बिना योजना के विकास अंततः नुकसान ही करता है।भीड़ का दबाव केवल पर्यावरण को ही नहीं, बल्कि स्थानीय समाज और संस्कृति को भी प्रभावित करता है। पर्यटकों की भारी संख्या से स्थानीय लोगों के संसाधन जैसे पानी, बिजली और ईंधन पर दबाव बढ़ता है। कई बार स्थानीय निवासियों को ही पानी की कमी झेलनी पड़ती है। व्यवसायीकरण और बाहरी प्रभावों से पारंपरिक संस्कृति बदलने लगती है। उदाहरण के लिए, स्थानीय हस्तशिल्प या भोजन की जगह प्लास्टिक से बने उत्पाद और फास्ट फूड हावी होने लगते हैं। कई लोग तीर्थयात्रा को अब केवल एक पर्यटन गतिविधि के रूप में लेने लगे हैं।

इससे धार्मिक स्थलों की पवित्रता भी प्रभावित होती है।समस्या का समाधान के लिए सरकार, स्थानीय प्रशासन और आम नागरिकों की संयुक्त जिम्मेदारी बनती है।

हर स्थल की क्षमता के अनुसार प्रतिदिन या प्रति वर्ष आने वाले यात्रियों की सीमा तय की जानी चाहिए। जैसे अमरनाथ यात्रा में पंजीकरण की अनिवार्यता की गई है, वैसे ही अन्य स्थलों पर भी कदम उठाने होंगे। नए होटल या पार्किंग स्थल तभी बनें जब वे पर्यावरणीय मानकों पर खरे उतरें। स्थानीय वास्तुकला और पारंपरिक सामग्रियों का उपयोग प्रोत्साहित किया जाए।

प्रत्येक निर्माण कार्य के साथ वृक्षारोपण को अनिवार्य बनाया जाए और स्थानीय समुदाय को इसमें भागीदार बनाना होगा।

पर्वतीय क्षेत्रों में एकल-उपयोग प्लास्टिक पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया जाए। इसके बदले बायोडिग्रेडेबल और पुनः प्रयोज्य सामग्री का उपयोग बढ़ावा दिया जाए। तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को यह समझाना होगा कि यात्रा केवल दर्शन या मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ने का अवसर भी है। ह्यस्वच्छ यात्रा, सुरक्षित यात्राह्ण जैसे अभियान लगातार चलाए जाने चाहिए। जब तक स्थानीय लोग इसमें शामिल नहीं होंगे, तब तक सुधार संभव नहीं है। उन्हें पर्यावरण संरक्षण का हितैषी और पर्यटन प्रबंधन का भागीदार बनाना होगा।

पर्वतीय स्थल हमारी प्राकृतिक धरोहर हैं। ये केवल पर्यटन स्थल या धार्मिक आस्था के केंद्र ही नहीं, बल्कि जीवनदायिनी नदियों, जंगलों और जैव विविधता के स्रोत भी हैं।

न्याय होता हुआ दिखे: तारीख पर तारीख की संस्कृति बदल

ललित गर्ग

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 75 वर्ष का गरिमामय सफर पूरा किया है। यह केवल एक ऐतिहासिक पड़ाव नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को परखने का अवसर भी है। न्यायपालिका ने इन आठ दशकों में अनेक युगांतरकारी फैसले दिये, जिन्होंने संविधान की मयार्दा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। किंतु आज सबसे बड़ी चुनौती न्याय में विलंब की है। समय पर न्याय न मिले तो न्याय का वास्तविक अर्थ ही खो जाता है। शायद यही कारण है कि न्यायिक बिरादरी के आयोजनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीशों ने एक स्वर से कहा कि अब ह्यतारीख पर तारीखह्ण की संस्कृति को समाप्त करने का समय आ गया है। जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है।

सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मजबूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

संविधान का रखवाला, गरीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ कमजोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और कानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीजों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है।

इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके।

निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों बढ़ोतरी से पूरा समाज हिला हुआ है। कोलकाता मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि अपराधियों के मन से कानून का भय लगभग समाप्त हो चुका है। यही कारण है कि अब न केवल कठोर कानून बल्कि त्वरित और निष्पक्ष न्याय की मांग बलवती हो रही है। आज न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती है-न्याय में विलंब। जिला अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक करोड़ों मामले लंबित हैं। केवल जिला अदालतों में ही साढ़े चार करोड़ से अधिक मामले अटके पड़े हैं।

यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा को आहत करती है, क्योंकि न्याय में विलंब, न्याय के इनकार के समान है।

दरअसल, लंबित मामलों के पीछे कई कारण हैं-न्यायाधीशों की अपर्याप्त संख्या, अदालती प्रक्रियाओं की जटिलता, अनावश्यक स्थगन, वकीलों द्वारा मुकदमों को खींचना और पुलिस-प्रशासन की लापरवाही। यही वजह है कि अपराधियों के मन से कानून का भय कम होता जा रहा है और आम नागरिक का भरोसा डगमगाने लगता है। भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ जिला एवं स्थानीय अदालतें हैं। यदि इन स्तरों पर शीघ्र और सस्ता न्याय नहीं मिलेगा, तो सुप्रीम कोर्ट की उपलब्धियां अधूरी मानी जाएंगी। सर्वोच्च न्यायालय समय-समय पर स्वतः संज्ञान लेकर राहत देता रहा है-जैसे हाल ही में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनवाने की पहल। किंतु जिला स्तर पर ऐसी सजगता और सक्रियता नहीं दिखाई देती। इसलिए सुधार की असली शुरूआत निचले स्तर से ही करनी होगी।

भारतीय न्याय प्रणाली की विसंगतियां और सुधार की राह जटिल है, लेकिन असंभव नहीं है। दृढ़ संकल्प एवं कार्ययोजना के साथ आगे बढ़े तो आजादी के अमृतकाल में हम न्याय प्रणाली को युगांतरकारी मोड़ दे सकते हैं। देश में जनसंख्या के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या बहुत कम है। तत्काल नियुक्तियों और प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए।

ई-कोर्ट, ऑनलाइन सुनवाई, डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन जैसे कदम न्याय प्रक्रिया को गति दे सकते हैं। अनावश्यक स्थगन पर अंकुश जरूरी है। क्योंकि स्थगन देने की परंपरा अपराधियों और वकीलों के लिये हथियार बन चुकी है। इस पर कड़ा नियंत्रण जरूरी है। पुलिस व जांच एजेंसियों को दायित्वशील एवं जिम्मेदार बनाना होगा। क्योंकि पुख्ता सबूतों और चार्जशीट समय पर दाखिल करने से ही मामलों में शीघ्र निर्णय संभव है। अदालतों के साथ-साथ वकीलों और पुलिस पर भी जवाबदेही तय करनी होगी। महिलाओं, बच्चों और संवेदनशील मामलों के लिये विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतों को और मजबूती देनी होगी।

न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निस्संदेह, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली जिला अदालतें भी इस दिशा में बदलावकारी पहल कर सकती हैं। जिससे आम आदमी का न्यायिक व्यवस्था में भरोसा और मजबूत हो सकेगा। अमेरिका जैसे देशों में किसी भी मामले के लिए अधिकतम अवधि तीन वर्ष तय है, जबकि भारत में 20-30 वर्षों तक मुकदमे चलते रहना आम बात है। इस विसंगति को दूर करने के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की सीमा तय की जानी चाहिए। हाल ही में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी की उम्मीद है। यदि इन कानूनों का सही क्रियान्वयन हो, तो तारीख पर तारीख की संस्कृति पर अंकुश लग सकता है। सर्वोच्च न्यायालय का 75 वर्ष का यह सफर लोकतंत्र के इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। इस अवधि में आपातकाल जैसे संकटों से लेकर सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण, महिलाओं के अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तक अनेक क्षेत्रों में इसने ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। किंतु आने वाले 25 वर्षों में न्यायपालिका की असली परीक्षा इस बात पर होगी कि वह न्याय को त्वरित, सुलभ और सर्वसुलभ बना पाती है या नहीं? न्यायपालिका आज भी आम नागरिक के लिये अंतिम आशा की किरण है। परंतु इस भरोसे को जीवित रखने के लिए उसे अपनी कमजोरियों को दूर कर एक नए युग की शुरूआत करनी होगी-जहाँ न्याय केवल होता हुआ न रहे, बल्कि दिखता हुआ भी हो।

नेपाल के राष्ट्रपति ने की संविधान और संसदीय प्रणाली बचाने की अपील

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने देश के संविधान और संसदीय प्रणाली को बचाने की अपील की है। राष्ट्रपति पौडेल ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि देश का संविधान और संसदीय प्रणाली को बचाने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है। संसद विघटन के फैसले पर अधिकांश राजनीतिक दलों के द्वारा इस फैसले के विरोध में लगातार बयानबाजी करने और राष्ट्रपति की आलोचना करने के कारण राष्ट्रपति ने अपने फैसले का बचाव करते हुए अपील जारी की है। राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि देश जिस विषम परिस्थिति से गुजर रहा है ऐसे में संविधान को बचाना सबसे बड़ी प्राथमिकता थी। उन्होंने कहा है कि संविधान बचाने के लिए यह कदम उठाया गया है। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि देश बहुत ही असहज, विषम और भयपूर्ण परिस्थिति से गुजर रहा है। ऐसे में संविधान के साथ ही संसदीय प्रणाली को बचाने के लिए यह कदम आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बहुत ही चतुराई के साथ संविधान और संसदीय प्रणाली को बचाया जा सका है इसलिए सभी राजनीतिक दलों को यह चाहिए कि वो बाकी बातों को भूला कर सरकार द्वारा घोषित दिन में चुनाव संपन्न करने में सहयोग करना चाहिए।

आठ राजनीतिक दलों ने की संसद पुनर्बहाली की मांग, जारी किया संयुक्त बयान

काठमांडू। नेपाल के आठ राजनीतिक दलों ने संसद विघटन के फैसले को वापस लेने की मांग की है। आज एक संयुक्त बयान जारी करते हुए संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले आठ दलों ने संसद विघटन के फैसले को असंवैधानिक बताते हुए उसे वापस लेने की मांग की है। इस संयुक्त बयान में संसद विघटन को संविधान के प्रावधानों और सर्वोच्च अदालत के फैसलों के विपरीत बताते हुए राष्ट्रपति से संसद को बहाल करने की मांग की गई। संयुक्त बयान में हस्ताक्षर करने वाले दलों में शेर बहादुर देउवा की नेपाली कांग्रेस, केपी शर्मा ओली की नेकपा एमाले, प्रचण्ड की माओवादी पार्टी, अशोक राई की जनता समाजवादी पार्टी, महंत ठाकुर की लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी, डा सीके राउत की जनमत पार्टी और रंजिता श्रेष्ठ की नागरिक उन्मुक्ति पार्टी शामिल हैं। इनमें से जनमत पार्टी और नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के सांसदों ने युवाओं के प्रदर्शन के दबाव में सामूहिक इस्तीफे की घोषणा भी कर दी थी। सभी दलों के प्रमुख सचेतकों ने इस संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किये हैं।

गाजा सिटी पर इजराइल के तीव्र हवाई हमले, कम से कम 32 की मौत

गाजा पट्टी। गाजा सिटी में इजराइल के तीव्र हवाई हमलों में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 12 बच्चे शामिल हैं। शवों को शिफा अस्पताल के मुर्दाघर में लाया गया, जहां मेडिकल स्टाफ ने यह जानकारी दी। पिछले कुछ दिनों से इजराइल ने गाजा सिटी पर हमले और तेज कर दिए हैं। कई ऊंची इमारतें ढहा दी गई हैं। इजराइल का कहना है कि हमास इन इमारतों में निगरानी उपकरण लगा रहा था। शनिवार को भी सेना ने दावा किया कि उसने हमास द्वारा इस्तेमाल की जा रही एक और हाई-राइज बिल्डिंग को निशाना बनाया। शेख रदवान इलाके में एक घर पर रातभर चले हमले में एक ही परिवार के 10 लोग मारे गए, जिनमें एक मां और उसके तीन बच्चे शामिल हैं। फिलिस्तीनी फुटबॉल संघ ने बताया कि अल-हिलाल स्पोर्टिंग क्लब के खिलाड़ी मोहम्मद रमेज सुल्तान भी हमले में मारे गए, साथ ही उनके परिवार के 14 सदस्य भी हताहत हुए।इ जराइली सेना ने सोशल मीडिया पर गाजा सिटी में बचे हुए लोगों से 'तुरंत' दक्षिण की ओर जाने की अपील की है, जिसे वह 'मानवीय क्षेत्र' बता रही है। सेना के प्रवक्ता अविचाय अद्रई के अनुसार, लगभग ढाई लाख लोग गाजा सिटी से निकल चुके हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि मध्य-अगस्त से मध्य-सितंबर के बीच करीब एक लाख लोग ही शहर छोड़ पाए हैं।

परमाणु हथियारों और सैन्य ताकत बढ़ाने की नीति जल्द पेश करेगा उत्तर कोरिया

प्योंगयांग। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने अपने परमाणु कार्यक्रमों को लेकर बड़ी घोषणा की है। किम ने कहा कि सत्तारूढ़ कोरियाई वर्कर्स पार्टी की जल्द ही होने वाली महत्वपूर्ण बैठक में परमाणु हथियारों और सैन्य ताकत बढ़ाने की नीति पेश किया जाएगा।सरकारी मीडिया केसीएनए ने शनिवार को बताया कि दो दिनों तक हथियार अनुसंधान केंद्रों का निरीक्षण करने के बाद किम ने कहा, कोरियाई वर्कर्स पार्टी की नौवीं कांग्रेस में राष्ट्रीय रक्षा के तहत परमाणु और पारंपरिक क्षेत्र से जुडे सुरक्षा बलों के गठन के बारे में एक योजना पेश की जाएगी।किम ने शुक्रवार को उत्तर कोरियाई सेना द्वारा एक शूटिंग अभ्यास स्थल और एक अस्पताल निर्माण स्थल का निरीक्षण भी किया।गौरतलब है कि किम की घरेलू गतिविधियों में यह तेजी इस महीने की शुरुआत में उनके चीन दौरे और वहां राष्ट्रपति शी जिनपिंग एवं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जैसे नेताओं के साथ बैठकों के बाद आई है।

लंदन में 'यूनाइट द किंगडम' मार्च, मस्क ने भी किया संबोधित, झड़प में 26 पुलिसकर्मी घायल

एजेंसी

लंदन। ब्रिटिश एक्टिविस्ट टॉमी रॉबिन्सन के नेतृत्व में लंदन में आयोजित एक विशाल दक्षिणपंथी मार्च उस समय हिंसक हो गया, जब प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा अधिकारियों के बीच झड़पें हुईं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, झड़प के दौरान 26 पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसके साथ ही 25 लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, हिंसा तब भड़की जब रॉबिन्सन के समर्थकों ने 'स्टैंड अप टू रेसिज्म' द्वारा आयोजित एक विरोध प्रदर्शन से अलग करने वाली सुरक्षा लाइनों को तोड़ने का प्रयास किया। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस अधिकारियों पर लात-घूंसे बरसाए गए और बोतलों से मारा गया, जिसके कारण अतिरिक्त पुलिस बल को हस्तक्षेप करना पड़ा। चार पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती

कराया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारियों ने रैली में 1,10,000 से 1,50,000 के बीच भागीदारी का अनुमान लगाया, जो हाल के समय में यूके में सबसे बड़ी दक्षिणपंथी सभाओं में से एक है। आयोजकों ने दावा किया कि रैली में इससे भी अधिक लोग शामिल हुए, जिन्हें उन्होंने 'देशभक्त' कहा। उन्होंने प्रदर्शन को 'यूनाइट द किंगडम' मार्च का नाम दिया, जबकि रॉबिन्सन ने भागीदारी की प्रशंसा करते हुए इसे देशभक्ति की लहर बताया और विरोध को सांस्कृतिक क्रांति घोषित किया। रॉबिन्सन का असली नाम स्टीफन याक्सली-लेनन है। उन्होंने राष्ट्रवादी और एंटी-इस्लाम इंग्लिश डिफेंस लीग की स्थापना की। उन्हें ब्रिटेन के सबसे प्रभावशाली दक्षिणपंथी नेताओं में से एक माना जाता है। इस आयोजन को कई दक्षिणपंथी हस्तियों का समर्थन मिला और अरबपति एलन मस्क ने वीडियो संदेश के माध्यम से सभा को संबोधित किया। उन्होंने ब्रिटेन में राजनीतिक परिवर्तन की अपील की और दावा किया कि नागरिक अपनी स्वतंत्र अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल करने से डरते हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि फुटबॉल मैचों और संगीत कार्यक्रमों जैसे अन्य प्रमुख आयोजनों के साथ-साथ प्रदर्शनों को प्रबंधित करने के लिए लंदन भर में 1,600 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था।

नेपाल में 6 जले हुए शव बरामद, हिंसक घटनाओं में मरने वालों की संख्या 72 हुई

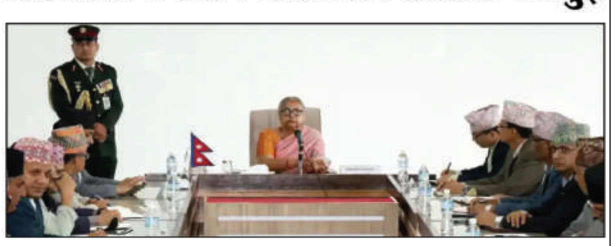

एजेंसी

काठमांडू। देश की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को पदभार संभालने के बाद नेपाल सरकार के मुख्य सचिव ने देश में 8 सितंबर को शुरू हुए जेन जी प्रदर्शन और उसके बाद के झड़प और आगजनी के संबंध में एक रिपोर्ट सौंपी है। मुख्य सचिव एक नारायण अर्याल ने रिपोर्ट में बताया है कि हिंसक घटनाओं के दौरान मरने वालों की संख्या बढ़कर 72 हो गई है। मुख्य सचिव रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों में 59 प्रदर्शनकारी, 10 जेल से भागे कैदी और तीन पुलिसकर्मी हैं। आज सुबह ही काठमांडू के बौद्ध में भाटभटेनी सुपर मार्केट से 6 जले हुए शव बरामद हुए हैं। इनके 4 पुरुष और दो महिलाएं हैं। मुख्य सचिव अर्याल ने बताया कि अभी भी अस्पतालों में 191 लोगों का इलाज किया जा रहा है। इनमें 134 प्रदर्शनकारी और 57 पुलिसकर्मी हैं। उन्होंने बताया कि 1000 से अधिक लोगों को अस्पताल से डिस्चार्ज किया जा चुका है।

सैनिकों की वेशभूषा में आए हमलावरों ने की गोलीबारी, 7 की मौत

एजेंसी

क्विटो। उत्तरी-पश्चिमी इक्काडोर के सैंटो डोमिंगो डे लॉस त्साचिलास में सैनिकों की वेशभूषा में आए बंदूकधारियों ने एक पूल हॉल के अंदर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस हमले में तीन अन्य घायल हुए हैं। स्थानीय समाचार एजेंसी के हवाले से न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि हमलावर रात करीब 10:30 बजे एक वाहन में सवार होकर नुएवो अमानेसर इलाके में स्थित पूल हॉल में पहुंचे और ग्राहकों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। यह सैंटो डोमिंगो डे लॉस त्साचिलास प्रांत में एक महीने से कम समय में पूल हॉल में हुई दूसरी सामूहिक गोलीबारी है। पुलिस के अनुसार, 17 अगस्त को इसी तरह के हमले में सात लोगों की जान चली गई थी। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार की गोलीबारी में मारे गए लोगों में से एक और दो घायल लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड था। ये रिकॉर्ड नशा तस्करी, आपराधिक गिरोह से जुड़ाव, हत्या और चोरी जैसे अपराधों के लिए थे। स्थानीय मीडिया द्वारा साझा की गई

तस्वीरों में कई लोग काले कपड़ों में, जैकेट और टोपी पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। वे मौके पर पहुंचे और लोगों पर गोली चलाने लगे, जिससे लोग तुरंत जमीन पर गिर पड़े। बेनावाइड्स ने बताया कि हमलावरों द्वारा कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया वाहन शहर के दूसरे हिस्से में जला हुआ मिला। इक्काडोरियन ऑर्गनाइज्ड क्राइम ऑब्जर्वेटरी के अनुसार, इक्काडोर में 2025 की पहली छमाही में 4,619 हत्याएं दर्ज की गईं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 47 प्रतिशत अधिक है और देश के इतिहास में छह महीनों का सबसे अधिक आंकड़ा है। देश ने ड्रग तस्करी गिरोहों के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज कर दी है, जब से इक्काडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने जनवरी 2024 में हिंसा के बढ़ते मामलों के कारण 'आंतरिक सशस्त्र संघर्ष' की स्थिति घोषित की थी।

नेपाल में प्रधानमंत्री का कार्यभार संभालते ही सुशीला कार्की का फैसला

जान गंवाने वाले युवाओं को शहीद का दर्जा, परिजनों को 10-10 लाख की मदद

एजेंसी

काठमांडु। नेपाल में 8 सितंबर को सत्ता परिवर्तन के प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोली से मारे गए युवाओं को नेपाल की अंतरिम सरकार ने शहीद का दर्जा देने का निर्णय किया है। इनके परिजनों को दस-दस लाख रुपए की मदद की भी घोषणा की गई है। सिंहदरबार में आज अपना कार्यभार संभालते हुए देश की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने राष्ट्र के नाम संबोधन के दौरान कहा कि उन्होंने अपने पहले फैसले पर हस्ताक्षर किया है, जिसमें प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोली से मारे गए छात्रों को शहीद का दर्जा देने का निर्णय किया गया है। कार्की ने बताया कि इस प्रदर्शन के दौरान मारे गए सभी युवाओं के परिजनों को दस-दस लाख रुपए की आर्थिक मदद का फैसला किया गया है। साथ ही सभी घायलों के इलाज का संपूर्ण खर्च नेपाल सरकार के द्वारा करने का भी निर्णय किया गया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की मौत हो गई उनके शव को गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था सरकार के तरफ से की जाएगी। उल्लेखनीय है कि नेपाल में बड़ी संख्या में युवा तत्कालीन ओली सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए जब सरकार ने 26 सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध की घोषणा की। सोशल मीडिया साइट्स पर बैन लगाने और देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में जेन-जी के बैनर तले हजारों युवाओं ने राजधानी काठमांडू और विभिन्न शहरों में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की गोली से कम

से कम 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन सौ से अधिक घायल हो गए। मरने वालों में ज्यादातर स्कूल और कॉलेज के छात्र थे। दुनिया भर में गोलीकांड की तीखी निंदा हुई।उत्तेजित छात्रों ने पूरे देश में हिंसक प्रदर्शन कर राजनीतिक दलों के आला नेताओं, मंत्रियों और उनके आवास को निशाना बनाया।जिसके बाद ओली सरकार को आखिरकार जाना पड़ा।

मैड्रिड में अमेरिका-चीन वार्ता, व्यापार और टिकटॉक पर होगी चर्चा

एजेंसी

वॉशिंगटन/मैड्रिड। अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक व आर्थिक मुद्दों को लेकर नई दौर की वार्ता रविवार से स्पेन की राजधानी मैड्रिड में शुरू होगी। इस बातचीत में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीयर और अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट हिस्सा लेंगे। जबकि चीन की ओर से उप प्रधानमंत्री हे लीफेंग और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। वार्ता में दोनों देशों के बीच शुल्क दरों, आर्थिक सहयोग और सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर चर्चा होगी। खासतौर पर चीनी ऐप टिकटॉक को लेकर अमेरिकी चिंता और उसके अमेरिकी परिसंपत्तियों (एसेट्स) के संभावित विक्रय (सेल) की समयसीमा भी प्रमुख मुद्दा होगी। इससे पहले, जुलाई में स्टॉकहोम में हुई बैठक में दोनों पक्षों ने 90 दिनों के लिए व्यापार युद्ध विराम (ट्रेड ट्रूस) बढ़ाने पर सहमति

जताई थी। इसके तहत सैकड़ों प्रतिशत तक बढ़े शुल्कों को घटाया गया और चीन से अमेरिका को दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति दोबारा शुरू हुई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मौजूदा 55 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ दर को 10 नवंबर तक बढ़ाने की मंजूरी दी है।

बेसेंट ने हाल ही में जी-7 देशों से अपील की थी कि वे चीन और भारत से आने वाले आयात पर कड़े शुल्क लगाएं ताकि रूस से कच्चे तेल की खरीद को रोका जा सके। उनका कहना था कि रूस की तेल आय से होने वाली कमाई घटाकर उसे यूक्रेन शांति वार्ता की दिशा में धकेला जा सकता है। जी-7 वित्त मंत्रियों ने इस पर सहमति जताई कि रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए चर्चा तेज की जाएगी और जमे हुए रूसी संपत्तियों का उपयोग यूक्रेन की मदद में किया जाएगा। अमेरिका ने भारत से आने वाले कुछ उत्पादों पर रूस से तेल खरीद के चलते 25फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाया है, लेकिन चीन पर ऐसे कदम से अब तक परहेज किया गया है। उधर, चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा है कि मैड्रिड में होने वाली बातचीत में अमेरिकी शुल्क, निर्यात नियंत्रण के दुरुपयोग और टिकटॉक का मुद्दा प्रमुख रहेगा। साथ ही चीन ने अमेरिका की व्यापार नीति पर नई जांच शुरू की है, जिसमें अर्धचालक (सेमीकंडक्टर) क्षेत्र में भेदभाव और अमेरिकी चिप्स के डंपिंग की जांच भी शामिल है।

पोलैंड में रूसी ड्रोन घुसपैठ अस्वीकार्य : अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि इस हफ्ते पोलैंड की हवाई सीमा में रूसी ड्रोन का प्रवेश 'अस्वीकार्य' है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि रूस ने जानबूझकर पोलैंड को निशाना बनाया या नहीं। नाटो ने 12 सितम्बर को यूरोप की पूर्वी सीमा की सुरक्षा और मज़बूत करने की योजना का ऐलान किया था। यह कदम उस समय उठाया गया जब पोलैंड ने अपनी हवाई सीमा का उल्लंघन करने वाले ड्रोन को मार गिराया – जो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी गठबंधन की ओर से लिया गया पहला ऐसा सैन्य एक्शन है। रूबियो ने पत्रकारों से कहा, यह बेहद खतरनाक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इसमें कोई शक नहीं कि ड्रोन रूस से जानबूझकर छोड़े गए थे। सवाल यह है कि क्या उन्हें पोलैंड की सीमा में घुसाने का इरादा था। उन्होंने आगे कहा कि यदि सबूत साबित करते हैं कि ड्रोन का निशाना पोलैंड ही था, तो यह स्थिति बेहद गंभीर और उकसाने वाली होगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने सहयोगियों से परामर्श कर तथ्यों की पुष्टि के बाद ही कोई ठोस निर्णय लेगा। पोलैंड ने 12 सितम्बर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस सुझाव को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह घुसपैठ संभवतः एक गलती' हो सकती है। पोलैंड के विदेश मंत्री ने रॉयटर्स से कहा कि वारसॉ को उम्मीद है कि वॉशिंगटन उसके साथ एकजुटता दिखाने के लिए ठोस कदम उठाएगा। संयुक्त राष्ट्र में भी अमेरिका ने इन घटनाओं को 'चिंताजनक' बताया और नाटो क्षेत्र के हर इंच की रक्षा करने का संकल्प दोहराया। दूसरी ओर, रूस का कहना है कि उसके ड्रोन यूक्रेन पर हमलों के लिए तैनात किए गए थे और पोलैंड को निशाना बनाने का उसका कोई इरादा नहीं था।

बलोच नेता ने कहा- अफगानिस्तान मान्यता दे और पख्तून समर्थन करे

एजेंसी

क्वेटा। अमेरिका द्वारा बलोचिस्तान मुक्ति सेना को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के बाद बलोचिस्तान मुक्ति आंदोलन (फ्री बलोचिस्तान मूवमेंट) ने अपने संघर्ष को नया आयाम देने की मुहिम तेज कर दी है। आंदोलन के कार्यकर्ता मीर यार बलोच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपील जारी कर अफगान पख्तूनों से बलोच आंदोलन के समर्थन का आह्वान किया। उन्होंने अफगानिस्तान से बलोचिस्तान गणराज्य को मान्यता देने की मांग की और कहा कि इससे पाकिस्तान की दशकों पुरानी घुसपैठ और आर्थिक दबाव को समाप्त किया जा सकता है। मीर यार बलोच ने कहा कि बलोच और अफगान भाईचारा सदियों पुराना है, जिसे अंग्रेजों की थोप दी गई डूरंड रेखा ने कृत्रिम रूप से विभाजित किया। उनके अनुसार, यह केवल सीमा नहीं बल्कि उपनिवेशवादी शक्तियों का गहरा घाव है जिसने दोनों देशों की साझा नियति को तोड़ा। उन्होंने पाकिस्तान पर आरोप लगाया कि पंजाबी जनरल्स ने अफगानिस्तान को अस्थिर कर उसकी मिट्टी को शांति का कब्रिस्तान बना दिया और बलोचिस्तान पर क्रूर कब्जा मजबूत किया। बलोच नेता ने कहा कि अफगानिस्तान और बलोचिस्तान का दुश्मन एक ही है और दोनों की नियति भी जुड़ी हुई है। ऐसे में अफगान राष्ट्र को केवल शब्दों में नहीं, बल्कि बलोच संघर्ष में सक्रिय कदम उठाकर साझेदारी करनी चाहिए। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि यदि दोनों मिलकर पाकिस्तान की जीवन रेखाओं (कराची बंदरगाह से लेकर चमन और हेलमंद तक) को रोक दें, तो कब्जे पर पलटवार किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि बलोच राष्ट्र ने हमेशा अफगान भाइयों के साथ वफादारी दिखाई है। जब बलोचिस्तान संकट में था, अफगानिस्तान ने नैतिक और राजनीतिक समर्थन दिया और बलोचों ने भी डूरंड रेखा के पार अपने घर पख्तून भाइयों के लिए खुले रखे। अब समय है कि अफगानिस्तान इतिहास के इस आह्वान को स्वीकार करे और बलोचिस्तान की स्वतंत्रता का समर्थन करे। मीर यार बलोच ने बलोचिस्तान की आज़ादी को केवल बलोचों की नहीं बल्कि अफगानिस्तान की जीवन रेखा बताया। उनके अनुसार, स्वतंत्र बलोचिस्तान अफगानिस्तान के लिए व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और संप्रभुता का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। उन्होंने याद दिलाया कि हिरब्येर मारी ने पहले ही अफगानिस्तान को ग्वादर बंदरगाह को विश्व का प्रवेश द्वार बनाने का प्रस्ताव दिया था, जिससे अफगानिस्तान को व्यापार का मुक्त रास्ता मिल सकता है। उन्होंने पख्तूनों को भी आश्वासन दिया कि यदि वे दक्षिण पख्तूनिस्तान का गठन करना चाहते हैं या अफगानिस्तान में विलय करना चाहते हैं, तो बलोच राष्ट्र उनके फैसले का सम्मान और समर्थन करेगा। उनके अनुसार, पख्तूनों की आवाज़ बलोचों के लिए पवित्र है और उनकी आज़ादी बलोच आत्मनिर्णय के संघर्ष से जुड़ी हुई है।

नेपाल में सामान्य होते जनजीवन के बीच सोमवार से स्कूल खोलने का निर्णय

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी (केएमसी) ने शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन को शैक्षणिक गतिविधियों को दोबारा शुरू करने के लिए सोमवार से स्कूलों में लौटने का निर्देश दिया है। केएमसी के शिक्षा विभाग के प्रमुख केशव ग्यावली के अनुसार, यह निर्देश हाल ही में राष्ट्रव्यापी अशांति के कारण स्कूल बंद होने के बाद आया है। यह निर्देश दिया गया है कि स्कूल अपनी क्षति का आकलन करें और छात्रों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करें।

एक सार्वजनिक नोटिस में केएमसी ने स्कूलों से किसी भी बुनियादी ढांचे के नुकसान का निरीक्षण करने, छात्रों की स्थितियों का आकलन करने के लिए अभिभावकों से संपर्क करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि स्थिति सामान्य होने तक बच्चों के साथ अभिभावक हों। कक्षाएं सोमवार (15 सितंबर) से फिर से शुरू होने वाली हैं। नियमित पठान पाठन के साथ-साथ स्कूलों में छात्रों को वापस लाने में मदद करने के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रदान करने के लिए भी सुझाव दिया गया है। जिन स्कूलों को नुकसान पहुंचा है उन स्कूल

प्रशासन को ऑनलाइन क्लास शुरू करने के लिए भी कहा गया है। नेपाल में प्रदर्शन के दौरान काठमांडू के ही करीब एक दर्जन से अधिक स्कूलों में आगजनी कर दी गई थी।

कतर में हमास नेताओं को हटाना ही शांति वार्ता की कुंजी : नेतन्याहू

एजेंसी

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि कतर में रह रहे हमास के शीर्ष नेताओं को हटाना गाजा युद्ध खत्म करने और सभी बंधकों की रिहाई में सबसे बड़ी बाधा को दूर कर देगा। हाल ही में इजराइल ने दोहा में हमास नेतृत्व को निशाना बनाते हुए हवाई हमले किए थे, जिनकी क़तर ने कड़ी निंदा की। यही कतर लंबे समय से युद्धविराम वार्ता का प्रमुख स्थल रहा है। हमास ने दावा किया है कि इस हमले में उसके पांच सदस्य मारे गए, जिनमें निर्वासित गाजा प्रमुख खलील अल-हैय्या का बेटा भी शामिल है। हालांकि, संगठन की शीर्ष नेतृत्व टीम और वार्ता में शामिल प्रतिनिधि सुरक्षित बच निकले। कतर ने कहा कि इस हमले में उसकी आंतरिक सुरक्षा बल का एक सदस्य भी मारा गया। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कतर में बैठे हमास के आतंकी सरगना गाजा के लोगों की परवाह नहीं करते। वे युद्धविराम की हर कोशिश को रोकते रहे ताकि युद्ध लंबा खिंचता जाए।वहीं, हमास ने इस हमले को वार्ता को पटरी से उतारने की कोशिश बताते हुए कहा कि इससे उनके रुख में कोई बदलाव नहीं आएगा। संगठन का कहना है कि सभी बंधकों की रिहाई तभी संभव होगी जब युद्ध समाप्त करने का समझौता होगा और फिलिस्तीन को स्वतंत्र राज्य का दर्जा मिलेगा।

टेक्सास में शरिया कानून पर प्रतिबंध, गवर्नर बोले- किसी को भी ऐसे बेवकूफों से डरने की जरूरत नहीं

एजेंसी

टेक्सास। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने कहा है कि उनके राज्य में इस्लामी शरिया कानून का लागू करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही उन्होंने राज्य के निवासियों से व्यवसायों या व्यक्तियों पर शरिया कानून थोपने की किसी भी कोशिश की शिकायत करने की भी अपील की है। एबॉट की यह टिप्पणी ह्यूस्टन से एक वायरल वीडियो के बाद आई है, जिसमें एक मुस्लिम मौलवी लाउडस्पीकर से दुकानदारों से शराब, सूअर का मांस या लॉटरी टिकट न बेचने का आग्रह कर रहा है।

धार्मिक नियमों को लागू करने की कोशिश नहीं की जाएगी बर्दाश्त

गवर्नर ने इस घटना को उत्पीड़न बताया और कहा कि टेक्सास, सार्वजनिक जीवन में धार्मिक नियमों को लागू करने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं करेगा। एबॉट ने मंगलवार को एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, %मैंने टेक्सास में शरिया कानून और शरिया परिसरों पर प्रतिबंध लगाने

वाले कानूनों पर हस्ताक्षर किए हैं। किसी भी व्यवसाय और किसी भी व्यक्ति को ऐसे मूर्खों से नहीं डरना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर कोई व्यक्ति, शरिया कानून लोगों पर थोपने का प्रयास करता है, तो इसकी सूचना स्थानीय पुलिस विभाग को दी जानी चाहिए।' साल 2017 में अमेरिकी कानून विधेयक अदालतों को शरिया सहित किसी भी विदेशी या धार्मिक संहिता को लागू करने से रोकता है। अमेरिकी-इस्लामिक संबंध परिषद (सीएआईआर) सहित मुस्लिम समूहों ने एबॉट के बयानों को भ्रामक बताते हुए इसकी आलोचना की और जोर देकर कहा कि शरिया कानून व्यक्तिगत धार्मिक प्रथाओं को नियंत्रित करता है, न कि नागरिक कानून को।

पूर्व में शरिया परिसर को लेकर भी जता चुके हैं नाराजगी;इस साल की शुरुआत में, टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने ईस्ट प्लानो इस्लामिक सेंटर द्वारा प्रस्तावित 400 एकड़ के आवासीय और व्यावसायिक प्रोजेक्ट एपिक सिटी का भी विरोध किया था। इस परियोजना में घर, स्कूल, एक मस्जिद और अन्य व्यावसायिक सुविधाएं शामिल थीं। एबॉट ने दावा किया कि यह एक शरिया क्षेत्र बन सकता है और उन्होंने राज्य की जांच एजेंसियों को इसकी जांच करने का आदेश दिया। एबॉट, एक रिपब्लिकन नेता हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाते हैं। एबॉट अक्सर आव्रजन, धर्म और सांस्कृतिक मुद्दों पर सख्त रुख अपनाने के लिए जाने जाते हैं।

चावल नरम, गेहूं-चीनी मजबूत, खाद्य तेलों में घटत-बढ़त, दालों के दाम बढ़े

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गये जबकि गेहूं में तेजी रही। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया, जबकि दालों के दाम बढ़ गये। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 18 रुपये कम होकर सप्ताहांत पर 3,759 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं 10 रुपये महंगा होकर 2,859.13 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत भी 24 रुपये बढ़ गयी और सप्ताहांत पर यह 3,334.63 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। सरसों तेल की औसत कीमत 68 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंगफली तेल में 288 रुपये और वनस्पति में 112 रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गयी। सूरजमुखी तेल 70 रुपये और पाम ऑयल 140 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वहीं, सोयाबीन तेल 30 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। बीते सप्ताह दाल-दलहनों के दाम बढ़ गये। उड़द दाल में 42 रुपये और दाल मूंग में 38 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी देखी गयी। तुअर दाल भी आठ रुपये महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत 23 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चना दाल के भाव कमोबेश स्थिर रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में लगातार दो सप्ताह की नरमी के बाद फिर तेजी लौट आयी। गुड़ के औसत भाव करीब 54 रुपये प्रति क्विंटल और चीनी के 29 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गये।

रुपये में रही 17 पैसे की साप्ताहिक गिरावट

मुंबई। रुपया बीते सप्ताह दबाव में रहा और ऐतिहासिक निचले स्तर तक लुढ़कने के बाद 16.75 पैसे की साप्ताहिक गिरावट में 88.26 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा गत सप्ताह 88.35 रुपये प्रति डॉलर तक फिसल गयी थी। उसी दिन बीच कारोबार में यह 88.49 रुपये प्रति डॉलर तक भी लुढ़की थी। निजी और सार्वजनिक बैंकों की डॉलर लिवाली से रुपये पर दबाव रहा, हालांकि घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के बाजार से पैसा निकालने से रुपये को कुछ समर्थन मिला और यह सप्ताहांत पर 88.26 रुपये प्रति डॉलर रहा।

छह करोड़ से ज्यादा लोगों ने दाखिल किया आयकर रिटर्न

नई दिल्ली। आंकलन वर्ष 2025-26 के लिए अब तक छह करोड़ से अधिक लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल कर दिये हैं। आयकर विभाग ने शनिवार को बताया कि इस साल अबतक आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या छह करोड़ को पार कर गयी है। उसने करदाताओं को अंतिम समय की परेशानी से बचने के लिए अंतिम तिथि से पहले अपना रिटर्न भरने की सलाह दी है। आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 15 सितंबर है। इसके बाद रिटर्न भरने पर कुल आय पांच लाख रुपये से तक होने पर 1,000 रुपये और पांच लाख से अधिक होने पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। आंकलन वर्ष 2024-25 में 7.28 करोड़ करदाताओं ने आयकर रिटर्न भरा था। विभाग ने छह करोड़ का आंकड़ा पार करने के लिए करदाताओं और कर पेशेवरों को धन्यवाद दिया है।

फ्लाई91 सितंबर की बुकिंग पर सुविधा शुल्क माफ करेगी

पणजी। क्षेत्रीय विमान सेवा कंपनी फ्लाई91 ने सितंबर महीने में उसकी वेबसाइट से करायी गयी सभी बुकिंग पर सुविधा शुल्क माफ करने की घोषणा की है।कंपनी ने बताया कि इस ऑफर में यात्रा की तारीख को लेकर कोई बंदिश नहीं होगी और 30 सितंबर तक करायी गयी सभी बुकिंग पर

यह लागू होगी। फ्लाई91 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज चाको ने कहा कि इस महीने बुकिंग पर सुविधा शुल्क माफ करने से लोगों को वास्तव में बचत होगी। फ्लाई91 का मुख्यालय गोवा में है। वह वर्तमान में गोवा के अलावा पुणे, सिंधुदुर्ग, जलगांव, सोलापुर, हैदराबाद, बेंगलुरु और अगत्ती से उड़ानों का परिचालन करती है। उसके बेड़े में एटीआर 72-600 विमान हैं।

सार्वजनिक बैंकों से वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता पैदा करने, परिचालन और मजबूत बनाने का आग्रह

एजेंसी
नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा की आकांक्षा रखने, संचालन और परिचालन को अधिक सुदृढ़ करने और पारंपरिक तथा उभरते दोनों उद्योगों में क्षेत्रीय चैंपियन के रूप में अपनी भूमिका का विस्तार करने का आह्वान किया है। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पीएसबी मंथन-2025 के आरंभिक सत्र में कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अस्तित्व और स्थिरता के चरण से आगे बढ़ चुके हैं और अब वे विकसित भारत 2047 की यात्रा में विकास, नवाचार और नेतृत्व के चैंपियन के रूप में एक बड़ी भूमिका निभाने की स्थिति में हैं। इस दौरान हुई चर्चाओं में इस बात पर भी जोर दिया गया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बैंकों के रूप में विकसित होने की आकांक्षा रखनी चाहिये। इसके लिए उनके पास विदेशों में भारतीय उद्यमों का समर्थन करने और दुनिया भर के अग्रणी वित्तीय संस्थानों के साथ खड़े होने के लिए बड़े पैमाने के वित्तपोषण की क्षमता, उपस्थिति और अन्य जरूरी क्षमताएं होनी चाहिये। डीएफएस द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'पीएसबी मंथन-2025' गुरुग्राम में समापन हुआ। कार्यक्रम के समापन पर जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार डीएफएस की अध्यक्षता में आयोजित इस मंथन में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ-साथ, रिजर्व बैंक, उद्योग जगत के विशेषज्ञ, शिक्षाविद, प्रौद्योगिकीविद और बैंकिंग व्यवसायी के प्रतिनिधि शामिल थे। इसके विभिन्न सत्रों में आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे.; सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन; सेबी के पूर्व अध्यक्ष एम. दामोदरन; आईआरडीएआई के पूर्व अध्यक्ष देबाशीष पांडा; आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर - आर गांधी, एन.एस. विश्वनाथन और एम.के. जैन; और एसबीआई के पूर्व अध्यक्ष रजनीश कुमार और दिनेश कुमार खारा ने संबोधित किया। इन दो दिनों में मंथन शिविर में सात पैनल चर्चाएं, तीन विशेषज्ञ सत्र, एक फायरसाइड चैट और एक खुली चर्चा का सत्र हुआ। इनमें ग्राहक अनुभव, शासन, उद्देश्यपूर्ण नवाचार, ऋण वृद्धि, जोखिम प्रबंधन, कार्यबल तत्परता, प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं जैसे विषयों पर चर्चा की गयी। चर्चाओं में प्रक्रिया सरलीकरण, ग्राहक असंतोष का समय पर निवारण और निर्बाध सेवाएं प्रदान करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को अगली पीढ़ी की तकनीकों को अपनाने, साझा बुनियादी ढांचा या साझा उपयोगिताएं बनाने और विविध ग्राहक आवश्यकताओं के अनुरूप अति-वैयक्तिकृत उत्पाद डिजाइन करने के सुझाव दिये गये। वक्ताओं ने पारंपरिक प्रणालियों से आगे बढ़कर, निर्बाध डिजिटल सेवाएं प्रदान करने, साइबर सुरक्षा बढ़ाने और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के साथ प्रभावी ढंग से एकीकृत करने में सक्षम चुस्त और अंतर-संचालनीय प्लेटफार्मों की ओर बढ़ते हुये, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की प्रौद्योगिकी के आधुनिकीकरण के महत्व पर बल दिया।

भारत और यूरोपीय संघ जल्द ही एफटीए पर काम करने के लिए प्रतिबद्धः गोयल

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ जल्द ही एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए काम करने को प्रतिबद्ध हैं। गोयल ने एक्स पोस्ट में कहा कि यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक और यूरोपीय कृषि आयुक्त क्रिस्टोफ हैनसेन व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत को गति देने के लिए यहां आए थे। दोनों पक्षों की आधिकारिक टीमों ने 13वें दौर की वार्ता की। गोयल ने लिखा, भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता के 13वें दौर में आपकी मेजबानी करना हमारे लिए खुशी की बात थी। हम दोनों पक्षों के लिए व्यापक अवसरों को खोलने के लिए जल्द ही एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि दोनों पक्षों के लिए बड़े पैमाने पर अवसरों का लाभ उठाया जा सके। आपकी यात्रा के लिए धन्यवाद। हमारी निरंतर बातचीत की प्रतीक्षा है।

पीएसयू बैंक 'विकसित भारत 2047' में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार : डीएफएस सचिव एम. नागराजू

एजेंसी
नई दिल्ली। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) अस्तित्व और स्थिरता के दौर से आगे बढ़ चुके हैं और अब 'विकसित भारत 2047' की यात्रा में वृद्धि, नवाचार और नेतृत्व की बड़ी भूमिका निभाने को तैयार हैं। वित्तीय सेवा सचिव नागराजू ने गुरुग्राम में दो दिवसीय पीएसबी मंथन 2025 कार्यक्रम के समापन पर यह बात कही। नागराजू ने पीएसबी मंथन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से वैश्विक स्तर पर मुकाबला करने की आकांक्षा रखने को कहा। उन्होंने अपने संबोधन में शासन और परिचालन लचीलेपन को मजबूत करने तथा पारंपरिक और उभरते उद्योगों में अपनी भूमिका बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) द्वारा आयोजित 'पीएसबी मंथन 2025' का विषय, विकसित भारत के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग की पुनर्कल्पना था। इस कार्यक्रम में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी, नियामक, उद्योग

विशेषज्ञ, शिक्षाविद, प्रौद्योगिकीविद् और बैंकिंग व्यवसायी शामिल हुए। कार्यक्रम में ग्राहक अनुभव, शासन, नवाचार, ऋण वृद्धि, जोखिम प्रबंधन और प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण पर चर्चा हुई। मंत्रालय के मुताबिक प्रख्यात वक्ताओं में भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे; देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन; सेबी के पूर्व अध्यक्ष एम. दामोदरन, आईआरडीएआई के पूर्व अध्यक्ष देबाशीष पांडा, आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर, आर गांधी, एनएस विश्वनाथन और एमके जैन तथा एसबीआई के पूर्व अध्यक्ष रजनीश कुमार और दिनेश कुमार खारा तथा वित्तीय क्षेत्र, उद्योग, शिक्षा और प्रौद्योगिकी के कई अन्य प्रतिष्ठित नेता शामिल थे।

अब तक 6 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिलः आयकर विभाग

एजेंसी
नई दिल्ली। आयकर विभाग ने कहा कि आकलन वर्ष 2025-26 के लिए अब तक छह करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए जा चुके हैं। बिना जुर्माने के आईटीआर दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, करदाताओं और कर विशेषज्ञों का धन्यवाद! जिन्होंने हमें अब तक 6 करोड़ आयकर रिटर्न के लक्ष्य तक पहुंचने में मदद की है और यह संख्या अभी भी जारी है। करदाताओं को आईटीआर दाखिल करने, कर भुगतान और अन्य संबंधित सेवाओं में करदाताओं की सहायता के लिए, हमारा हेल्पडेस्क 24×7 आधार पर काम कर रहा है और विभाग कॉल, लाइव चैट, वेबएक्स सत्र और ट्विटर/एक्स के जरिए सहायता प्रदान कर रहा है। आयकर विभाग ने लिखा, हम उन सभी लोगों से आग्रह करते हैं जिन्होंने अभी तक आकलन वर्ष यानी निर्धारण वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर दाखिल नहीं किया है, ताकि अंतिम

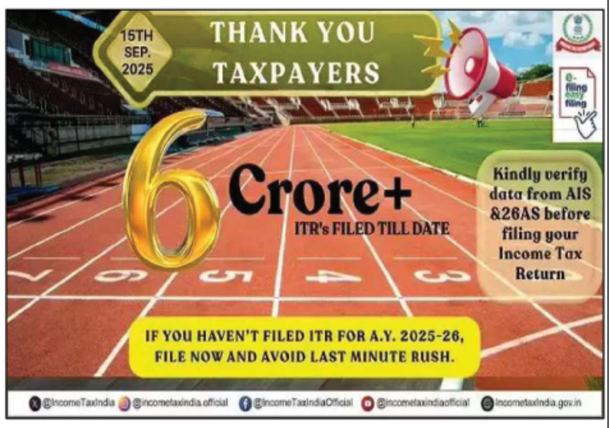

समय की भागदौड़ से बचा जा सके। आइए इस गति को जारी रखें। उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग ने मई में ऐसे व्यक्तियों, एचयूएफ और संस्थाओं द्वारा आकलन वर्ष (एवाई) 2025-26 (वित्तीय वर्ष 2024-25 में अर्जित इनकम के लिए) के लिए आईटीआर दाखिल करने की नियत तारीख को 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर करने की घोषणा की थी, जिन्हें अपने खातों का ऑडिट नहीं कराना है।

दूसरे देशों के रास्ते अमेरिका को जेवरात निर्यात के विकल्प तलाश रहे सर्राफा व्यापारी

एजेंसी
नई दिल्ली। अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगने के बाद भारतीय सर्राफा व्यापारी दूसरे देशों के रास्ते वहां अपने सोने-चांदी के जेवरात निर्यात करने के विकल्प तलाश रहे हैं। दिल्ली के भारत मंडपम में गहने-जेवरातों की तीन दिवसीय प्रदर्शनी 'अपना दिल्लीवाला शो' के उद्घाटन के बाद आयोजकों ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि देश का 60 से 70 प्रतिशत गहनों का निर्यात अमेरिका को किया जाता है। निश्चित रूप से अमेरिका के 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने से चुनौतियां सामने आयी हैं, लेकिन उसके लिए वैकल्पिक बाजार तलाशे जा रहे हैं। प्रदर्शनी की आयोजक कंपनी इनफॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया के प्रबंध निदेशक योगेश मुद्रास ने कहा कि अमेरिका में सऊदी अरब से भी सोने और हीरे के जेवरातों का आयात किया जाता है। वहां भारतीय कारीगर

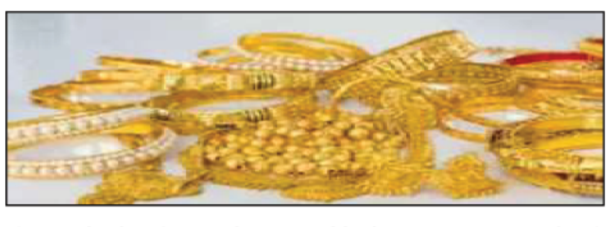

भी इस उद्योग में बड़ी संख्या में काम करते हैं। सर्राफा कारोबारी अब ऐसे ही देशों को निर्यात बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। इनमें ब्रिटेन, यूरोपीय संघ के देश और पश्चिम एशिया के देश शामिल हैं। हालांकि उन्होंने उम्मीद जतायी कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार पर जारी वार्ता सफल रहेगी। सोने की ऊंची कीमतों के प्रभाव के बारे में पूछे गये एक सवाल के जवाब में द बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (टीबीजेए) के चेयरमैन रामअवतार वर्मा ने कहा कि सोने के दाम फिलहाल घटने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा, "सोने ने पहले भी कई मौकों पर 'लंबी छलांग' लगाई है और उसके बाद लोगों को उम्मीद थी कि अब यह नीचे आयेगा। लेकिन सोना कभी वापस नीचे नहीं आया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में सोने की वास्तविक मांग कम हुई है, लेकिन दाम बढ़ने के कारण राजस्व लगातार बढ़ रहा है। टीबीजेए के सीनियर चेयरमैन नवीन कुमार जिंदल ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर में हाल में किये गये सुधारों में सोने पर कर कम नहीं किया गया। उन्होंने कहा सोने पर जीएसटी तीन प्रतिशत से घटाकर एक प्रतिशत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब सोने के दाम कम थे उसकी तुलना में अब इस पर जीएसटी से सरकार को कई गुणा आमदनी हो रही है। इसलिए इस पर कर कम करके सरकार इस उद्योग का समर्थन कर सकती है।

ज्वेलरी डिजाइनर और इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हेतल वकील वालिया ने कहा कि सोने की ज्यादा कीमत के बावजूद देश में लोग कम से कम शादी-विवाह में देने के लिए सोना जरूर खरीदते हैं।

अडाणी पावर बिहार में बिजली परियोजना के लिए 3 अरब डॉलर का करेगी निवेश

एजेंसी
नई दिल्ली। अडाणी पावर लिमिटेड बिहार में तीन अरब डॉलर (करीब 26,482 करोड़ रुपये) के निवेश से 2,400 मेगावाट का (अल्ट्रा सुपर-क्रिटिकल) अत्याधुनिक बिजली संयंत्र स्थापित करेगी। अडाणी समूह की कंपनी ने एक बयान में बताया कि उसने बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड बीएसपीजीसीएल के साथ 25 साल के बिजली आपूर्ति समझौता (पीएसए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत राज्य के भागलपुर जिले के पीरपैंती में स्थापित होने वाली परियोजना से बिजली की आपूर्ति की जाएगी।कंपनी ने बताया कि वह नए संयंत्र (800 मेगावाट×3) और इसके सहायक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए डिजाइन, निर्माण, वित्त, स्वामित्व और संचालन मॉडल के तहत लगभग 3 अरब यूएस डॉलर का निवेश करने की योजना है। कंपनी का लक्ष्य 60 महीनों में इन संयंत्रों को चालू करना है। अडानी पावर लिमिटेड ने 6.075 रुपये प्रति

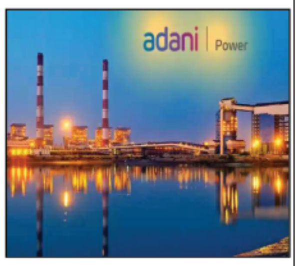

किलोवाट घंटे की न्यूनतम आपूर्ति दर की पेशकश करके यह परियोजना हासिल की है। यह समझौता उत्तर बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड और दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की ओर से बीएसपीजीसीएल द्वारा अडानी पावर को अगस्त में जारी किए गए लेटर ऑफ अवार्ड के अतिरिक्त है।

जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से अर्थव्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद : कांग्रेस नेता थरूर

एजेंसी
सिंगापुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से आर्थिक और व्यावसायिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। हालांकि उन्होंने जीएसटी की एकल दर की ओर बढ़ने की जरूरत बतायी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी कई वर्षों से माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों को सरल एवं युक्तिसंगत बनाने की मांग कर रही है। थरूर ने क्रेडाई-नैटकॉन सम्मेलन के दौरान अलग से बातचीत में कहा, "मुझे लगता है कि जीएसटी में कटौती एक बहुत ही रचनात्मक फैसला था। ईमानदारी से कहूं तो हम पिछले कुछ वर्षों से इसकी मांग कर रहे थे। मेरी पार्टी शुरू से ही जीएसटी को सरल बनाने की वकालत करती रही है।" उन्होंने कहा, "चार दरें रखना न केवल भ्रामक था, बल्कि अनुचित भी

था।" अब दो दरों के साथ स्थिति सरल हो गई है। थरूर ने कहा, "इसलिए मैं कहूंगा कि कुल मिलाकर हमें कुछ अच्छा मिला है। इससे अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिलेगा। हमें उम्मीद है कि इससे विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा।" कांग्रेस नेता ने कहा, "अंततः, मुझे लगता है कि हम सभी दो दरों के बजाय एक दर देखना चाहेंगे। और यह कुछ ऐसा है जो भविष्य में कुछ समय बाद होगा। निश्चित रूप से मुझे लगता है कि हमें सरलीकरण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।" उन्होंने बाजार में और अधिक सुधार की भी वकालत की। थरूर ने कहा, "हमारे समाज और अर्थव्यवस्था में एक चीज, जिसकी बहुत ज्यादा जरूरत है, वह है नियमों की संख्या को कम करना। हम दुनिया के सबसे ज्यादा नियमों वाले देश हैं। हम सिंगापुर जैसे देशों से सीख सकते हैं, जहां चीजें बहुत ज्यादा सरल और कुशल हैं।" जीएसटी परिषद ने पिछले सप्ताह माल एवं सेवा कर के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता एवं सिगरेट जैसी अहितकर वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। सिगरेट, तंबाकू और अन्य संबंधित वस्तुओं को छोड़कर नई कर दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी।

नालसार विश्वविद्यालय और आईसीएसआई ने हैदराबाद में संयुक्त रूप से राष्ट्रीय सम्मेलन कॉर्प-कॉन 2025 आयोजित किया

एजेंसी
नई दिल्ली। नालसार विश्वविद्यालय और भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) ने हैदराबाद में संयुक्त रूप से राष्ट्रीय सम्मेलन कॉर्प-कॉन 2025 आयोजित किया। इस सम्मेलन में शैक्षणिक और कॉर्पोरेट विशेषज्ञों ने पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) सिद्धांतों और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के उभरते ढांचे पर विचार-विमर्श किया।कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि पर्यावरण, समाज और शासन (ईएसजी) और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) विषय पर आयोजित कॉर्प-कॉन 2025 के उद्घाटन सत्र को आईआईसीए के महानिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हितधारक सिद्धांत की प्रासंगिकता, आईबीसी की मध्यस्थता भूमिका

(सीईओ) ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने संबोधित किया और कॉर्प-कॉन 2025 में ईएसजी एकीकरण और आईबीसी 3.0 पर प्रकाश डाला। ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने कॉर्पोरेट कानून में ईएसजी से जोड़ने, और आगामी आईबीसी 3.0 संशोधनों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी हितधारकों के बीच विश्वास निर्माण और सामूहिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया।

एफपीआई ने सितंबर में निकाले 8,610 करोड़ रुपये

एजेंसी
मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर माह में अबतक घरेलू पूंजी बाजार से 8,610 करोड़ रुपये निकाले हैं। एफपीआई ने इक्विटी में 10,782 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। डेट में उनका निवेश शुद्ध रूप से सकारात्मक रहा है। उन्होंने डेट में 2,968 करोड़ रुपये लगाये। हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट और म्यूचुअल फंड से

एफपीआई ने पूंजी निकासी की। हाइब्रिड में उन्होंने 82 करोड़ रुपये की म्यूचुअल फंड में 718 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। यह लगातार चौथा महीना है जब एफपीआई बाजार में बिकवाल बने हुये हैं। हालांकि सिर्फ पिछले सप्ताह की बात करें तो उन्होंने सकारात्मक रहा है। इससे पहले अगस्त में उन्होंने भारतीय पूंजी बाजार से 20,635 करोड़ रुपये, जुलाई में 5,261 करोड़ रुपये और जून में 7,769 करोड़ रुपये निकाले थे। इस साल जनवरी से अबतक उन्होंने शुद्ध रूप से 80,649 करोड़ रुपये की पूंजी निकासी की है। इस दौरान मार्च और मई को छोड़कर शेष सभी महीनों में वे बिकवाल रहे हैं।

महंगाई के आंकड़ों, फेड के बयान से तय होगी शेयर बाजार की चाल

एजेंसी
मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दो सप्ताह की तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों का रुख महंगाई के आंकड़ों और अमेरिका में फेडरल रिजर्व के नीतिगत ब्याज दरों के बारे में फैसले पर निर्भर करेगा। खुदरा मूल्य आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े गत बाजार बंद होने के बाद जारी किये गये थे। वहीं, कल यानी सोमवार को थोक महंगाई के आंकड़े भी जारी होंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत दरों पर बैठक मंगलवार और बुधवार को होगी और दूसरे दिन बयान जारी किया जायेगा। इन सभी कारकों का बाजार पर असर देखने को मिलेगा।

खुदरा महंगाई दर जुलाई की तुलना में बढ़कर 2.07 प्रतिशत पर रही। खाद्य मुद्रास्फीति जहां एक बार फिर शून्य से नीचे रही, वहीं गैर-खाद्य मुद्रास्फीति भी नियंत्रण में है। इससे बाजार में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। निवेशकों की नजर अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता पर भी रहेगी। बीते सप्ताह शेयर बाजार में प्रमुख सूचकांक पांचों दिन बढ़त के साथ बंद हुये। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,193.94 अंक (1.48 प्रतिशत) की साप्ताहिक तेजी के साथ 81,904.70 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 373 अंक यानी 1.51 प्रतिशत चढ़कर 25,114 अंक पर पहुंच गया।मझौली और छोटी कंपनियां भी दिग्गज कंपनियों की राह पर रहीं। सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.10 प्रतिशत और स्मॉलकैप 1.90 प्रतिशत मजबूत हुये।

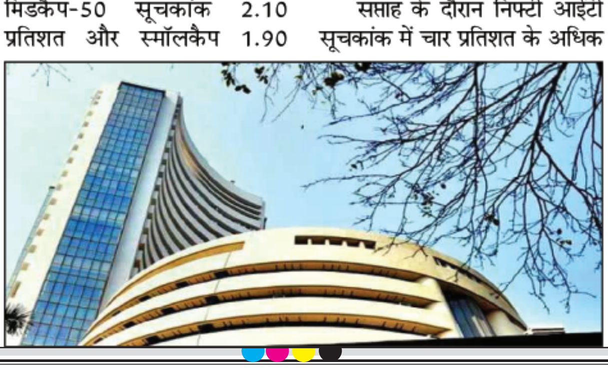

सप्ताह के दौरान निफ्टी आईटी सूचकांक में चार प्रतिशत से अधिक की तेजी रही। सार्वजनिक बैंकों का सूचकांक करीब तीन प्रतिशत बढ़त में रहा। ऑटो और धातु सूचकांक दो प्रतिशत के अधिक चढ़े। निफ्टी फार्मा में करीब दो प्रतिशत की तेजी रही। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह का सूचकांक एक प्रतिशत टूट गया। सेंसेक्स की 30 में से 25 कंपनियों के शेयर हरे निशान में रहे। बीईएल में 7.63 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी रही। बजाज ऑटो का शेयर 6.99 प्रतिशत, इंफोसिस का 5.62 प्रतिशत और अडानी पोर्ट्स का 5.36 प्रतिशत चढ़ा। एक्सिस बैंक का शेयर 4.65 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में रहा। बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टेक महिंद्रा के शेयर तीन प्रतिशत से अधिक मजबूत हुए। मारुति सुजुकी, टीसीएस और भारतीय स्टेट बैंक में दो प्रतिशत से अधिक की साप्ताहिक तेजी रही। ट्रेंट का शेयर 7.15 प्रतिशत टूट गया। टाइटन में 2.57 फीसदी, इटरनल में 2.35 फीसदी और हिंदुस्तान यूनिलिवर में 2.01 प्रतिशत की गिरावट रही।

दिशा पाटनी

ही नहीं, सलमान खान-एल्विश यादव समेत इन सितारों के घर पर भी हुई थी ताबड़तोड़ फायरिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर पर शुक्रवार तड़के अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग की. इस खबर के सामने आने के बाद हलचल मच गई है. पता चला है कि तड़के 4.30 बजे के करीब अज्ञात बदमाशों ने दिशा पाटनी के घर पर 10-12 राउंड फायरिंग की. इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया. इस हादसे के बाद पूरा परिवार अभी हैरान-परेशान है. वहीं फायरिंग की जिम्मेदारी रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ गिरोह ने ली है. एक सोशल मीडिया पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने इस वारदात का पूरा जिम्मा लिया है.हालांकि सिर्फ दिशा पाटनी ही इकलौती ऐसी स्टार नहीं हैं, जिनके घर पर इस तरह से फायरिंग की गई है. इससे पहले सलमान खान और एल्विश यादव के साथ भी इस तरह की वारदात घट चुकी है. चलिए जानते हैं कि अब तक किस-किस स्टार के घर पर फायरिंग हो चुकी है.

सलमान खान

सुपरस्टार सलमान खान के घर पर हुई फायरिंग को भुलाया नहीं जा सकता. 14 अप्रैल 2024 को सुबह-सुबह सलमान के गैलेक्सी अपार्टमेंट पर फायरिंग की गई थी. सलमान के घर की बालकनी में गोलियों के निशान भी पाए गए थे. बाइक पर सवार बदमाशों ने अपार्टमेंट के बाहर कई राउंड फायरिंग की थी. उस वक्त सलमान घर में ही मौजूद थे. इस फायरिंग की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने ली थी. पुलिस ने मामले की जांच करते हुए गुजरात से गोली चलाने वाले को गिरफ्तार कर लिया था. इसके बाद सलमान को टाइट सिक्योरिटी भी दे दी गई थी.

एल्विश यादव

यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर फायरिंग का मामला सामने आ चुका है. 17 अगस्त को सुबह 5 बजे के करीब यूट्यूबर के गुरुगाम वाले घर पर फायरिंग हुई थी. हालांकि फायरिंग के दौरान एल्विश घर पर नहीं थे. पुलिस ने मामले की जांच करते हुए बताया कि बाइक सवार तीन बदमाशों ने करीब 12 राउंड फायरिंग की. हालांकि उनके पिता ने बताया कि करीब 24-25 गोलियां चलीं थी.

कपिल शर्मा

जब कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा वाले एक कैफे पर सुबह कई राउंड गोलियां चलाई गईं, तो इस खबर ने हर किसी को परेशान कर दिया था. हाल ही में कपिल और उनकी पत्नी ने कनाडा में एक नया फैफे खोला था. कैफे अच्छा चलने भी लगा था, तभी अचानक खबर आई कि उस पर हमला कर दिया गया है. 10 जुलाई को कैफे के बाहर कई राउंड फायरिंग हुई थी. पुलिस मामले की जांट में जुट गई. लेकिन कुछ दिन बाद फिर से कपिल के कैफे पर हमला किया गया और गोलियां चलाई गई थीं.

एपी ढिल्लों

पॉपुलर पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के साथ भी ये वारदात घट चुकी है. सिंगर के कनाडा स्थित घर के बाहर पिछले साल सितंबर में कुछ अज्ञात लोगों ने फायरिंग की थी. लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रोहित गोडारा ने इसकी जिम्मेदारी ली थी. पोस्ट में बताया गया था कि ये हमला सलमान खान के करीबी होने के चलते की गई थी. इस वारदात ने इंडस्ट्री में हलचल पैदा कर दी थी.

ऋतु चौधरी कैसे बनीं शाहरुख खान की हीरोइन? सुभाष घई ने नाम बदलकर किया था लॉन्च

बॉलीवुड में कई सितारों की एंट्री नाम बदलने के बाद ही हुई है, उनमें से एक महिमा चौधरी भी हैं. नाम बदलने के बाद ही उन्हें सुभाष घई ने फिल्म में साइन किया था और शाहरुख खान की फिल्म से महिमा को लॉन्च किया था. पहली ही फिल्म से महिमा चौधरी को अच्छी खासी पहचान मिली और फिर इसके बाद महिमा चौधरी ने ढेरों फिल्में कीं, जिनमें उनके काम को सराहा गया. महिमा चौधरी अभी भी फिल्मों में एक्टिव हैं और आज अपना 52वां बर्थडे मना रही हैं.13 सितंबर 1973 को दार्जिलिंग में जन्मीं महिमा चौधरी की मां नेपाली थीं और पिता बागपत से थे. दार्जिलिंग के ही एक कॉन्वेंट स्कूल से महिमा चौधरी ने स्कूलिंग की. महिमा चौधरी मिस दार्जिलिंग का खिताब जीत चुकी हैं. इसके बाद ही महिमा मुंबई आईं और यहां उन्हें सुभाष घई ने अपनी फिल्म के लिए सिलेक्ट किया और उनका नाम ऋतु चौधरी से महिमा चौधरी किया. उन्हें विश्वास था कि वो उस फिल्म में कमाल कर देंगी और वैसा ही हुआ.

महिमा चौधरी का फिल्मी करियर

1997 में रिलीज हुई फिल्म 'परदेस' से महिमा चौधरी ने बॉलीवुड डेब्यू किया था. इस फिल्म में शाहरुख खान उनके अपोजिट थे और फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. इस फिल्म के लिए महिमा चौधरी को बेस्ट डेब्यू फीमेल एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था. इसके बाद महिमा की दूसरी फिल्म 'दाग- द फायर' (1999) रिलीज हुई थी जो हिट रही और इसी साल उनकी अगली फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' रिलीज हुई और वो भी सफल हुई थी.

इसके बाद महिमा चौधरी ने 'धड़कन', 'बागबान', 'दिल है तुम्हारा', 'दिल क्या करे', 'कुरुक्षेत्र' और 'सैंडविच' जैसी फिल्में कीं. महिमा चौधरी ने कुछ साउथ की फिल्में भी कीं हैं. महिमा चौधरी कुछ साल फिल्मों से दूरी रहीं और अब उनकी एक्टिंग में सेकेंड पारी चल रही है. महिमा पिछले कुछ सालों में 'द सिग्नेचर', 'एमरजेंसी' और 'नादानियां' जैसी फिल्मों में नजर आईं थीं.

महिमा चौधरी की पर्सनल लाइफ ?

2006 में महिमा चौधरी ने बॉबी मुखर्जी से शादी की थी, जिनसे उन्हें एक बेटी अर्याना चौधरी हैं. 2013 में महिमा चौधरी का तलाक हो गया था और अब वो सिंगल मदर बनकर अपनी बेटी की परवरिश कर रही हैं. लगभग 5 साल पहले महिमा चौधरी को स्तन कैंसर हो गया था और वो उस समय थर्ड स्टेज पर थीं. उन्होंने इलाज कराया और खुद को मानसिक रूप से तैयार भी किया.

'धुरंधर' बनाने वाले की पत्नी को मिला टाइगर के दुश्मन का साथ! तबाही मचाने आ रहे हैं 80 दिन बाद

2025 में बॉक्स ऑफिस की रेस में कई फिल्में अपनी किस्मत आजमा चुकी हैं और कुछ फिल्मों की किस्मत का फैसला होना अभी बाकी है. वहीं आए दिन नई-नई फिल्मों की घोषणा हो रही है और अब इस लिस्ट में एक और पिक्चर का नाम शामिल हो गया है. इस बार 'धुरंधर' बनाने वाले डायरेक्टर आदित्य की पत्नी ने टाइगर के दुश्मन से हाथ मिलाया है. दरअसल एक्ट्रेस एक बड़ी हिट की तलाश में हैं, जिसके लिए उन्होंने YRF स्पाई यूनिवर्स की फिल्म के विलेन के साथ नजर आने का फैसला किया है. कमाल की बात ये है कि फिल्म की शूटिंग भी चुपचाप पूरी कर ली गई है और अब इसकी रिलीज डेट का भी पता चल गया है.दरअसल हम बात कर रहे हैं यामी गौतम और इमरान हाशमी की. दोनों ने साथ में एक नई फिल्म साइन की और बिना किसी को भनक लगे उसकी शूटिंग भी पूरी कर डाली. रिपोर्ट की मानें तो इमरान हाशमी और यामी गौतम के साथ सुपर्ण वर्मा की अगली फिल्म का नाम 'HAQ' रखा गया है और यह फिल्म रियल लाइफ स्टोरी पर बेस्ड होने वाली है.

इमरान और यामी की फिल्म

रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'हक' का निर्माण जंगली पिक्चर्स ने इंसोम्निया फिल्म्स और बावेजा स्टूडियोज़ के साथ मिलकर किया है. यह शाह बानो बनाम अहमद खान मामले में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले से प्रेरित है. एक ऐसा मामला जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था. सटीक विवरण गुप्त रखा गया है, लेकिन कॉन्ट्रोवर्शियल टॉपिक और अदालती कार्यवाही में सार्वजनिक बहस को हवा देने की क्षमता है. फिल्म आर्टिकल 370 की सक्सेस के बाद यामी गौतम एक बार फिर से वापसी कर रही हैं. इमरान हाशमी के साथ ये उनकी यह पहली फिल्म होगी.इतना ही नहीं ये भी पता चला है कि टीम ने इस ज़बरदस्त कोर्टरूम ड्रामा का एक दमदार टीजर लॉक कर दिया है और उम्मीद है कि यह टीम जल्द ही डिजिटल दुनिया में धूम मचा देगी. फिल्म के टीजर के साथ फिल्म ऑफिशियल रिलीज का ऐलान किया जाएगा. वहीं खबरों की मानें तो टीम ने हक की रिलीज के लिए 7 नवंबर 2025 का दिन चुना है.

फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन काम जारी

सुपर्ण वर्मा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में इमरान हाशमी एक तेज़-तर्रार वकील की भूमिका में हैं, जबकि यामी गौतम एक ऐसी महिला की भूमिका में नज़र आएंगी जो वर्षों से चल रही न्याय की लड़ाई के केंद्र में है. फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन का काम अभी ज़ोर-शोर से चल रहा है. जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि शाह बानो बनाम अहमद खान मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला महिला अधिकारों के पक्ष में था. 'हक' में शीबा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम भी अहम किरदार निभाते हुए नजर आएंगे.

ऐश्वर्या राय

की महाफ्लॉप फिल्म, डूबने से अभिषेक बच्चन भी नहीं बचा सके

रियल लाइफ बॉलीवुड कपल ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन साथ में बड़े पर्दे पर भी नजर आए हैं. दोनों कलाकारों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है. आज हम आपको अभिषेक और ऐश्वर्या की एक ऐसी फिल्म के बारे में बता रहे हैं जो उनके करियर की महाफ्लॉप फिल्मों में गिनी जाती है. ऐश्वर्या और अभिषेक की ये पिक्चर अपने बजट का आधा भी नहीं निकाल पाई थी.ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन ने शादी से पहले कई फिल्मों में साथ में काम किया था. वहीं शादी के बाद भी इस जोड़ी को साथ में देखा गया था. दोनों ने असल जिंदगी के साथ-साथ पर्दे पर भी अपनी केमिस्ट्री से फैंस का दिल जीता है. हालांकि दोनों की फिल्म 'उमराव जान' को दर्शकों ने नकार दिया था. 19 साल पुरानी इस पिक्चर का बॉक्स ऑफिस पर बहुत बुरा हाल हुआ था.

23 करोड़ में बनी थी 'उमराव जान'

साल 1981 में बड़े पर्दे पर दिग्गज एक्ट्रेस रेखा ने 'उमराव जान' नाम की फिल्म में काम किया था. जबकि 25 साल बाद फिर से इसी नाम से साल 2006 में भी फिल्म बनी थी. इस बार हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस मानी जाने वाली ऐश्वर्या राय ने लीड रोल प्ले किया था. इसका डायरेक्शन किया था जे पी दत्ता ने. फिल्म में उनके अपोजिट थे अभिषेक बच्चन. 3 नवंबर 2006 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली फिल्म का बजट 23 करोड़ रुपये था.

बजट का आधा भी नहीं कमा सकी फिल्म

उमराव जान में अभिषेक और ऐश्वर्या के साथ-साथ शबाना आजमी, सुनील शेट्टी, आयशा जुल्का, दिव्या दत्ता और कुलभूषण खरबंदा जैसे मशहूर कलाकारों ने भी काम किया था. भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 19 साल पुरानी ये पिक्चर सिर्फ 7.42 करोड़ रुपये की कमाई ही कर पाई थी, जो बजट का आधा भी नहीं है. इस हिसाब से उमराव जान बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई थी.

आधा बजट भी नहीं निकाल पाई थी फिल्म

इन फिल्मों में साथ दिखे थे अभिषेक-ऐश्वर्या

उमराव जान के अलावा अभिषेक और ऐश्वर्या ने 'गुरु', 'ढाई अक्षर प्रेम के', 'कुछ ना कहो', 'बंटी और बबली', 'धूम-2', 'सरकार राज' और 'रावणन' जैसी फिल्मों में भी काम किया है. दोनों आखिरी बार रावणन (2010) में साथ नजर आए थे.

इन्द्रप्रस्थ संजीवनी संस्था द्वारा नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया

दिव्य दिल्ली : नारायणा के श्री सनातन धर्म माता मंदिर में आज इन्द्रप्रस्थ संजीवनी संस्था द्वारा निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों वरिष्ठ नागरिकों और जरूरतमंद लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाई और शिविर का लाभ उठाया। कैंप में फुल बॉडी चेकअप पूरी तरह निःशुल्क किया गया। सर गंगाराम अस्पताल, बीएलके मैक्स अस्पताल और गुरु हरकिशन अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में आंखों की जांच के बाद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां और चश्मे भी वितरित किए गए। कई वरिष्ठ नागरिकों को वॉकर, व्हीलचेयर और हाथ की छड़ी भेंट की गई। मौके पर नारायणा थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने अपने हाथों से वरिष्ठ नागरिकों को वॉकर और चश्मे वितरित किए। संस्था के अध्यक्ष डॉ. संजीव अरोड़ा ने सभी डॉक्टरों का पुष्प देकर स्वागत किया और उनका आभार व्यक्त किया।

शिविर को सफल बनाने में संजय अग्रवाल, सरदार जगदीप सिंह, जतिन नारंग और चरणजीव मल्होत्रा का विशेष योगदान रहा। संस्था की ओर से शिविर में आए सभी लोगों को पवित्र गंगाजल भी स्मृति स्वरूप प्रदान किया गया।

सेवा पखवाड़ा अभियान को लेकर कार्यशाला का आयोजन

बबेरू/बांदा। कस्बे के सिटी पैलेज मैरिज हाल मे सेवा पखवाड़ा अभियान को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमे पंचायत चुनाव व स्नातक चुनाव से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष प्रेम नारायण द्विवेदी ने बैठक में कहा कि आगामी एमएलसी व पंचायत चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा की और कार्यकताओं को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जनसेवा को प्राथमिकता देते हुए चुनावी तैयारियों में जुट जाएं। नगर पंचायत अध्यक्ष डा विवेकानन्द गुप्ता ने कहा कि कार्यक्रम में सेवा पखवाड़ा के तहत चलाए जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया और चुनाव मे बारे मे बताया।कार्यक्रम का संचालन रामजी द्विवेदी ने किया। इस दौरान भाजपा नेता विश्वश्वर पांडेय अजय पटेल सुधीर कुशवाह विजयपाल सिह राकेश अग्रहरि राम प्रकाश साहू विजय विक्रम सिह पंकज द्विवेदी सौरभ शिवहरे सुकदेव प्रसाद विनय तिवारी राजा दीक्षित रावेन्द गर्ग सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस में आए छह प्रार्थना पत्र, एक भी नहीं हुआ निस्तारित

जसपुरा (बांदा)। थाना समाधान दिवस शनिवार को थाना परिसर में सीओ सिटी राजवीर सिंह, तहसीलदार राधेश्याम सिंह और थाना प्रभारी अनिल कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

लव कुश रामलीला कमेटी ने इस वर्ष के मंचन को लेकर भव्य तैयारियां शुरू कर दी हैं

दिव्य दिल्ली : लालकिला मैदान में आयोजित होने वाली विश्व विख्यात लव कुश रामलीला कमेटी ने इस वर्ष के मंचन को लेकर भव्य तैयारियां शुरू कर दी हैं। कमेटी के प्रेसिडेंट अर्जुन कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि इस बार युवा पीढ़ी को रामलीला से जोड़ने के लिए विशेष पहल की गई है। निमंत्रण पत्रों पर जल, थल और वायु सेना के शौर्य और पराक्रम को दशार्ते चित्र प्रकाशित किए गए हैं। साथ ही, एआई तकनीक से बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म रामायण का प्रदर्शन प्रतिदिन मंचन से पूर्व किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार मशहूर अभिनेता, गायक और सांसद मनोज तिवारी भगवान परशुराम की भूमिका निभाएंगे। इससे पहले वे केवट और अंगद जैसे किरदार भी निभा चुके हैं। अर्जुन कुमार ने कहा कि रामलीला के मंचन के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को भी ध्यान में रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर मेगा हेल्थ कैंप, विशाल भंडारा, स्कूली बच्चों को बैग और स्टेशनरी वितरण, महिलाओं को साड़ी वितरण तथा दिव्यांगों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल और व्हीलचेयर वितरित की जाएंगी। वहीं, तारा नेत्रालय के सहयोग से निःशुल्क आंखों की जांच, मोतियाबिंद ऑपरेशन और चश्मों का वितरण होगा। एल्पस संस्था की ओर से कान की मशीनें भी निःशुल्क दी जाएंगी, जबकि रक्तदान शिविर और दिनभर का भंडारा भी आयोजित किया जाएगा।

सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि लालकिला मैदान में हजारों भक्तों के बीच परशुराम की भूमिका निभाना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि

वे बचपन से ही रामलीला से जुड़े रहे हैं और हर भारतीय को रामलीला जैसे सांस्कृतिक आयोजनों से जुड़कर प्रभु श्रीराम की शिक्षा को आगे बढ़ाना चाहिए। कमेटी के महासचिव सुभाष गोयल ने जानकारी दी कि लीला का शुभारंभ 22 सितंबर को गणेश पूजन से होगा और 3 अक्टूबर 2025 को भरत मिलाप के साथ इसका समापन किया जाएगा। दशहरा पर्व 2 अक्टूबर को बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। इस वर्ष भी बॉलीवुड और टीवी जगत के कई नामचीन कलाकार लीला के पात्र निभाएंगे जिनमें किनसुक बैध (राम), डॉ. राजन शर्मा (लक्ष्मण), रिनी आर्या (सीता), मल्हार पांड्या (हनुमान), आर्य बब्बर (रावण), राजेश पुरी (राजा जनक के मंत्री) और शंकर साहनी (केवट) प्रमुख हैं। कमेटी के चेयरमैन पवन गुप्ता और सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सत्यभूषण जैन ने बताया कि विशेष आकर्षण के रूप में बाबा खाटू श्याम के मधुर भजनों का कार्यक्रम प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल और उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

कानूनगो और लेखपाल ने प्रधान के कहने पर चलाई जेसीबी

प्रताड़ित यादव ने लगाई न्याय की गुहार

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सभा बेरा गढ़ीवा के रहने वाले अमर सिंह ने उपजिलाधिकारी को लिखित सूचना पत्र देकर बताया कि शनिवार को दोपहर करीब 2:30 बजे मेरी भूमिधरी जमीन पर बने मकान के सामने खलिहान का रकबा है जिसमें मै अपने जानवर बांधता हूं जिस पर मेरा हौदा रखा था, इसी दौरान लेखपाल व कानूनगो के साथ ग्राम प्रधान अपने साथ करीब 50 से 100 लोग तथा साथ में एक जेसीबी व ट्रैक्टर लेकर आए और बिना सूचना या बिना किसी नोटिस के मेरे घर के सामने मेरे मना करने के बावजूद भी रखा समान क्षतिग्रस्त करने लगे और मेरी भूमिधरी जमीन पर भी जबरन जेसीबी से खोदाई करने लगे।

आगे बताया कि मेरी जमीन का मामला फतेहपुर न्यायालय में विचाराधीन है और स्टे ऑडर दिखाने के बाद भी नही मानें और मना करने पर धमकी भी देने लगे और कहने लगे हमारी सबसे सेटिंग है तुम हमारा कुछ नहीं कर सकते हो। इस मामले में उपजिलाधिकारी अनामिका श्रीवास्तव ने मौके पर तहसीलदार को भेजकर मामला दिखवाने की बात कही है। वहीं तहसीलदार अमरेश सिंह ने भी राजस्व निरीक्षक एवं हल्का लेखपाल को ऐसा न करने व महज खलिहान के रकबे को चिन्हांकित करने की बात कही है।

इस पूरे प्रकरण की वस्तुस्थिति अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) को भी संज्ञान कराया गया है। वहीं पीड़ित का कहना रहा है कि लगता है इस सरकार में यादवों के साथ उत्पीड़न करने का मन ठाकुरों ने बना रखा है और आज बेरा गढ़ीवा के ठाकुर प्रधान द्वारा ऐसी हरकत हुई है। साथ ही पीड़ित ने बताया कि खलिहान का गाटा संख्या 1341 क है जिसमें हमारा कोई स्थाई कब्जा नहीं है जबकि इस रकबे में अन्य लोगों का कब्जा है और इसके अलावा ग्राम प्रधान के परिजनों का भी कई सरकारी भूमि में अवैध कब्जा है लेकिन राजस्व प्रशासन को वो अवैध कब्जे नहीं दिखाई दे रहे हैं। इससे साफ है कि हमारे साथ अन्याय हो रहा है।

आखिरकार बड़ा सवाल ये है कि क्या बीते दिनों पंचायती राज विभाग द्वारा जारी किए गए पत्र जिसमें यादवों एवं मुस्लिमों से ग्राम पंचायत में सरकारी जमीन से कब्जा हटवाने के लिए कहा गया था। ऐसे में ये घटना उसी आदेश का परिणाम साबित होती दिख रही है।

प्रत्येक हिन्दू परिवार से एक गणवेशधारी स्वयंसेवक तैयार करेगा आरएसएस

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष की तैयारियों में जुट गया है। शताब्दी वर्ष में संघ प्रत्येक हिन्दू परिवार से कम से कम एक गणवेशधारी तरूण स्वयंसेवक तैयार करेगा। संघ ने प्रमुख रूप से सात प्रकार के कार्यक्रमों की योजना बनाई है। इसमें सबसे पहला कार्यक्रम विजयादशमी उत्सव का है। विजयादशमी उत्सव के कार्यक्रम खण्ड व नगर स्तर पर होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले अयोध्या में एक नगर के विजयादशमी उत्सव के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र प्रचार प्रमुख सुभाष ने बताया कि वर्ष 1925 की विजयादशमी को परम पूज्य डा.केशव बलिराम हेडगेवार ने संघ प्रारम्भ किया था। शताब्दी वर्ष के प्रथम कार्यक्रम में प्रत्येक हिन्दू परिवार से कम से कम एक गणवेशधारी तरूण स्वयंसेवक कार्यक्रम में सहभाग करे तथा प्रत्येक परिवार से मंगलवेश में पुरूष व मातृशक्ति भी सहभागी हो। इसकी तैयारी संघ के स्वयंसेवक शाखा व बस्ती स्तर पर कर रहे हैं।

विजयादशमी उत्सव में लक्ष्य विजयादशमी के कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवकों की पूर्ण गणवेश में उपस्थिति। सुप्त शक्ति से सम्पर्क कर उन्हें शाखा में सक्रिय करना। युवा एवं तरूण व्यवसायी स्वयंसेवकों की सक्रियता बढ़े। प्रत्येक शाखा सर्वस्पर्शी व सर्वव्यापी बने। प्रत्येक स्वयंसेवक को किसी न किसी कार्य से जोड़ना।

नगर स्तर पर निकाला जायेगा पथ संचलन शताब्दी वर्ष के तहत संघ ने तय किया है कि बड़ा कार्यक्रम करने की बजाय नगर व नगर पंचायत स्तर पर कार्यक्रम किया जायेगा। इसलिए संघ पहली बार मण्डल स्तर पर पथ संचलन निकालेगा। वहीं नगरीय क्षेत्रों में नगर स्तर पर पथ संचलन निकाला जायेगा। इसके लिए स्वयंसेवक अधिक से अधिक गणवेश बनवाने की तैयारियों में जुट गये हैं। 2 व 12 अक्टूबर के पथ संचलन के कार्यक्रम संपन्न होंगे। पथ संचलन को सफल बनाने के लिए प्रत्येक शाखा की वृहद सूची तैयार की जा रही है। पूर्व में संघ का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके संघ कार्यकताओं को भी सक्रिय किया जा रहा है।

बीएसए संभल को जमानती वारंट जारी

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संभल, अल्का शर्मा के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। अदालत ने यह कदम तब उठाया जब अवमानना के एक मामले में उन्हें व्यक्तिगत रूप से या हलफनामा दाखिल करके पेश होना था।

बहेड़ी पुलिस ने पकड़े तीन शातिर चोर, पांच चोरी की बाइक बरामद

बरेली । थाना बहेड़ी पुलिस ने शनिवार को चोरी की पाँच मोटरसाइकिलों समेत तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक बुलेट और चार अन्य मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में मंडनपुर जनूबी निवासी मो. वाशिफ, मो. सगीर उर्फ छोटे और शेखूपुर निवासी पप्पू उर्फ मो. आरिफ शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक प्रभारी निरीक्षक संजय तोमर के नेतृत्व में उपनिरीक्षक राजेश कुमार सिंह, दिनेश राणा और पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी।

दो सगे भाइयों की गोली मारकर हत्या

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित मुगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के बेलवार मार्ग पर रामनगर गांव के पास शनिवार देर रात करीब नौ बजे अपने रिश्तेदारी जा रहे बाइक सवार दो व्यक्तियों पर अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दिया। जिससे एक व्यक्ति की जहां मौके पर मौत हो गई वहीं दूसरे का इलाज के लिए प्रयागराज ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

थाना क्षेत्र के मजगवा गांव निवासी शाहजहां (70) साथ में बाइक पर सवार जहांगीर (65) बाइक से अपने किसी रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। जैसे ही इनकी बाइक बिलावर मार्ग पर रामनगर गांव के पास पहुंची अज्ञात बदमाशो ने दोनों पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दिया। फायरिंग की आवाज सुनकर आस पास के लोग सहम गए। इस फायरिंग में शाहजहां की मौके पर ही मौत हो गई वहीं जहांगीर को इलाज हेतु प्रयागराज ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे मुंगरा बादशाहपुर प्रभारी निरीक्षक के के सिंह मय फोर्स मामले की जांच में जुट गए हैं।इस मामले में रविवार को जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने बताया कि मुंगराबादशाहपुर थानान्तर्गत शनिवार को ग्राम मझगवा रामनगर के पास घर जा रहे दो भाइयो के ऊपर अज्ञात हमलावर द्वारा असलहे से फायर किया गया । सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुँचकर घायलो को इलाज हेतु अस्पताल ले जाया गया ।

सद्गुरू नेत्र चिकित्सालय में समारोह का आयोजन कर किया गया नेत्रदाताओं के परिजनों का सम्मान

चित्रकूटः धर्मनगरी स्थित सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय में शनिवार नेत्रदाता परिजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सभी नेत्रदाताओं के परिजनों को साल, स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत समाज में फैली नेत्रदान की तमाम गलत भ्रतियों को दूर करते हुए जिन्होंने अपने नेत्रदान से समाज के किन्हीं दो अंधे व्यक्तियों को रोशनी देने का महान और पुण्य काम किया है, उनके परिजनों का इस महादान में बखूबी सहयोग करने के लिए ये नेत्रदाता परिजन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह में सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के ट्रस्टी पद्मश्री डॉ बीके जैन ने सभी नेत्रदाताओं के परिजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में नेत्रदान को लेकर फैली तमाम तरह की भ्रांतियों को दूर कर-के ज्यादा से ज्यादा लोगों को नेत्र दान के लिए प्रेरित करें। चिकित्सालय स्थित कार्निया विभाग के प्रमुख डॉ गौतम सिंह परमार ने कहा कि ये पुण्य का कार्य है, इसमें सबको बढ़-चढ़कर भागेदारी करनी चाहिए और ज्यादा से ज्यादा इस मिशन को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे अंधे लोगो को रोशनी मिल सके। बताया कि वर्ष 2007 में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय में आई बैंक स्थापित किया गया था, तब से लेकर आज तक लगातार नेत्रदान के कार्यक्रम आयोजित हो रहे है। चिकित्सालय में अब तक लगभग नौ हजार नेत्रदान हो चुके है और इतने ही लोगो को पुतली लगाकर रोशनी प्रदान की गई है।

इस मौके पर जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, व्यापाल मण्डल के जिलाध्यक्ष राजीव अग्रवाल, व्यापारी नेता शानू गुप्ता आदि मौजूद रहे।

कवि सम्मेलन आज

चित्रकूटः जिला मुख्यालय कर्वी में पेशवा कालीन किले के सामने रविवार को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन श्री योगेन्द्र दत्त द्विवेदी एजुकेशन सोसायटी, साहित्य साधना ग्रुप एवं चित्रकूट धाम कर्वी नगर पालिका परिषद के संयुक्त तत्वाधान में हिंदी दिवस के अवसर पर कराया जाएगा। यह जानकारी आयोजक मनोज कुमार द्विवेदी ने दी है।

आज आएंगे उप मुख्यमंत्री

चित्रकूटः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रविवार को 11 बजे हेलीकाप्टर से चित्रकूट एयरपोर्ट में आएंगे। यहां से वह जिला मुख्यालय स्थित लोनिवि के निरीक्षण गृह पहुंचकर पार्टी पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद दोपहर एक बजे पुरानी कोतवाली के समीप डॉ रत्नप्पा कुम्हार की 116वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित प्रजापति महासम्मेलन एवं भव्य शोभा यात्रा में हिस्सा लेंगे। यह जानकारी विधायक डॉ मनोज कुमार प्रजापति ने दी है।

थाना समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

चित्रकूटः सदर कोतवाली परिसर में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धितों को निस्तारण के लिए निर्देशित किया।

थाना समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि संबंधित विभाग समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। डीएम ने थाना समाधान दिवस निस्तारण रजिस्टर का अवलोकन करते हुए कहा कि थाना दिवस में आए हुए प्रत्येक शिकायतकर्ता को संतुष्टि मिलनी चाहिए एवं रजिस्टर पर निस्तारित लाभार्थी का फोन नंबर अवश्य लिखा जाए, ताकि फीडबैक भी लिया जा सके। तहसीलदार को निर्देशित किया कि लेखपालों के कार्यों की मॉनिटरिंग करते रहें, इसमें किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए। कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर उन्हें न्याय दिलाना है। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने कहा कि दिव्यांगजन व महिलाओं की समस्या का निस्तारण प्राथमिकता से कराए, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इस अवसर पर तहसीलदार चंद्रकांत तिवारी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली उपेंद्र प्रताप सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बीमारी से तंग आकर फांसी लगाकर किया आत्महत्या

फतेहपुर। बीमारी से तंग आकर एक 44 वर्षीय व्यक्ति ने घर के अंदर दीवाल में लगी खूंटी में गमछा से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। खेत में काम करने के बाद पत्नी घर आई तो उसे मामले की जानकारी हुई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के रजीपुर गांव में बीमारी से तंग आकर शनिवार की सुबह छेद्दू निषाद उम्र लगभग 44 वर्ष पुत्र मोतीलाल निषाद ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। लोगों को जानकारी हुई तो हड़कंप मच गया। मौके पर भारी भीड़ लग गई सूचना मिलने पर पुलिसपहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया जाता है कि मृतक कई वर्ष से बीमारी से परेशान था इसी के चलते शनिवार की सुबह उसने घर के अंदर एक खूंटी में गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह-समझौते से कराया गया 1,09,781 वादों का निस्तारण

चित्रकूटः राष्ट्र विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में शनिवार को जिला न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 1,09,781 वादों का निस्तारण करते हुये कुल 6,32,82,826 रु (छः करोड बत्तीस लाख बयासी हजार आठ सौ छब्बीस रुपये) अर्थदण्ड, प्रतिकर व बैंक ऋण वसूली के रूप में वसूल किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में श्रीकृष्ण यादव मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण द्वारा 40 वादों का निस्तारण करते हुये 2,15,29,444 रुपये प्रतिकर के रूप में दिलाया गया, राकेश कुमार यादव प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय द्वारा 26 वादों का निस्तारण करते हुये 8,00,000 रुपये आपसी सुलह समझौते के आधार पर वादिया को दिलाया गया।

इसके अलावा कई वर्षों से एक-दूसरे से अलग हुये 23 जोडों को आपस में सुलह कराकर एक साथ भेजा गया। राममणि पाठक विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट द्वारा चार वादों का निस्तारण करते हुये 2000 रुपये अर्थदण्ड व रेनू मिश्रा विशेष न्यायाधीश पाक्सो द्वारा एक वाद का निस्तारण करते हुये 500 रुपये अर्थदण्ड वसूला गया। नीरज श्रीवास्तव अपर जिला जज द्वितीय द्वारा तीन व नीलू मैनवाल अपर जिला न्यायाधीश एफटीसी द्वारा 156 वादों का निस्तारण किया गया। राजेन्द्र प्रसाद भारती मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा फौजदारी के 966 वादों का निस्तारण करते हुये 1,29,020 रुपये अर्थदण्ड, सचिन कुमार दीक्षित सिविल जज (सीडि) द्वारा फौजदारी के 77 वादों का निस्तारण करते हुये 8,600 रुपये वसूला गया व तीन सिविल वादों का निस्तारण करते हुये 6,95,511 रुपये पक्षकारों को दिलाया गया। इला चैधरी सिविल जज (सीडि) एफटीसी द्वारा 107 फौजदारी वादों का निस्तारण करते हुये 3,030 रुपये अर्थदण्ड वसूला गया।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321